■ आषाढ़ कृष्ण - 12 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 19 ■ अंक - 335 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » बुधवार » 03-07-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 संवाद, अच्छे व्यवहार से हर समस्या का होगा समाधान : आदित्यनाथ

6 ऊर्जा दक्षता के लिए छोटे-छोटे प्रयास जरूरी

7 शाहरुख को 'करियर अचीवमेंट अवॉर्ड' से सम्मानित किया जाएगा

फर्स्ट टेक

अमरनाथ यात्रा : 22 हजार से ज्यादा श्रद्धालुओं ने बाबा बर्फानी के दर्शन किये

श्रीनगर/भाषा। दक्षिण कश्मीर हिमालय स्थित अमरनाथ मंदिर में मंगलवार को 22 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने बाबा बर्फानी के दर्शन किये। अधिकारियों ने यहां यह जानकारी दी। इसके साथ ही 52 दिनों की वार्षिक अमरनाथ यात्रा के शुरूआती चार दिनों में, गुफा मंदिर में बर्फ से निर्मित शिवलिंग के दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं की कुल संख्या बढ़कर 74 हजार के आंकड़े को पार कर गई। अधिकारियों ने बताया, ''मंगलवार को 22,715 श्रद्धालुओं ने अमरनाथ गुफा में बाबा बर्फानी के दर्शन किए।'' बाबा बर्फानी के दर्शन करने वालों में 16,973 पुरुष, 3,775 महिलायें, 315 साधु और छह साध्वी शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि 1,227 से अधिक सुरक्षाकर्मियों और 419 बच्चों ने भी बाबा बर्फानी के दर्शन किये। अधिकारियों के अनुसार, पहले चार दिनों में दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं की कुल संख्या अब 74,696 हो गई है। वार्षिक तीर्थयात्रा 19 अगस्त को समाप्त होगी।

पोर्श कार दुर्घटना में शामिल किशोर का पिता धोखाधड़ी के मामले में गिरफ्तार

पुणे/भाषा। पुणे के कल्याणी नगर इलाके में पोर्श कार से मोटरसाइकिल सवार लोगों को टक्कर मारने में शामिल 17 वर्षीय किशोर के पिता विशाल अग्रवाल को पिंपरी चिंचवड पुलिस ने एक रियल स्टेट परियोजना से जुड़े धोखाधड़ी मामले में गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने उसे जेल से हिरासत में लिया, जहां वह न्यायिक हिरासत में था। उन्होंने बताया कि अग्रवाल को अदालत में पेश किया गया जिसने उसे दो दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया।

पश्चिम बंगाल में एक और मामले में महिला और किशोर बेटे पर हमला

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल में भीड़ द्वारा हमले की बढ़ती घटनाओं के बीच मंगलवार को एक वीडियो क्लिप सामने आई जिसमें उत्तर 24 परगना जिले के अरियादहा में एक किशोर और उसकी मां पर हमला दिखाया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि रविवार रात को हुई इस घटना के सिलसिले में छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि मुख्य आरोपी, जो सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस का करीबी माना जाता है, फरार है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि हमले के कारणों की जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि वीडियो में लोगों के एक समूह को हॉकी स्टिक से लड़के और उसकी मां की पिटाई करते हुए दिखाया गया है।

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर प्रधानमंत्री का जबाव

'देश में सहानुभूति का खेल और बालक बुद्धि का विलाप जारी, इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता'

- अपने लगभग सवा दो घंटे के जवाब में मोदी ने विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर प्रत्यक्ष और परोक्ष दोनों प्रकार से हमले किये।
- मोदी ने 'नीट' से जुड़े विषय को लेकर कहा कि सरकार पेपर लीक को रोकने के लिए अत्यंत गंभीर है और युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वालों को छोड़ा नहीं जाएगा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को लोकसभा में कहा कि देश में इन दिनों सहानुभूति का खेल और 'बालक बुद्धि' का विलाप जारी है, लेकिन इसे कतई नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। मोदी ने युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वालों को नहीं बख्शने का सदन को आश्वासन देते हुए कहा कि सरकार पेपर लीक को रोकने के लिए अत्यंत गंभीर है।

प्रधानमंत्री मोदी सदन में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा का जवाब दे रहे थे। अपने लगभग सवा दो घंटे के जवाब में मोदी ने विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर प्रत्यक्ष और परोक्ष दोनों प्रकार से हमले किये। उन्होंने कहा, ''हमने कल सदन में बचकाना हरकत देखी है। कल यहां बालक बुद्धि का विलाप चल रहा था। आजकल सहानुभूति हासिल करने का एक नया खेल खेला जा रहा है।'' उन्होंने कहा कि सहानुभूति हासिल करने का नया नाटक करने वाले यह सच्चाई जानते हैं कि वह हजारों करोड़ रुपये की हेराफेरी के मामले में जमानत पर बाहर हैं। उन्होंने यह भी कहा, ''वह (राहुल) ओबीसी वर्ग के लोगों को चोर बताने के मामले में दो साल की सजा पा चुके हैं। इनको गैर-जिम्मेदाराना बयान के लिए उच्चतम न्यायालय से माफी मांगनी पड़ी है। इन पर वीर सावरकर को अपमानित करने का मुकदमा भी चल रहा है।''

प्रधानमंत्री ने बार-बार 'बालक बुद्धि' कहकर तंज कसते हुए कहा कि बालक बुद्धि में न बोलने का ठिकाना होता है, न व्यवहार का ठिकाना और जब उनकी (बालक) बुद्धि पूरी तरह (सिर पर) सवार हो जाती है तो वह सदन में किसी के भी गले पड़ जाते हैं और आंखें भी मारते हैं। उन्होंने अपने शब्दों के बाण और अधिक तीखे करते हुए कहा, ''आज देश यह कह रहा है कि तुमसे न हो पाएगा।'' उन्होंने तुलसीदास को उद्धृत करते हुए कहा, झूठई लेना, झूठई देना, झूठई भोजन, झूठई चबेना।'' मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने असत्य को राजनीति का हथियार बनाया और उसके मुंह झूठ का खून लग गया है। उन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान राहुल के 'खटाखट' पैसे खाते में आने के वादे को लेकर तंज कसते हुए कहा, ''देश ने कल एक जुलाई को खटाखट दिवस भी मनाया है। एक जुलाई को लोग अपने बैंक खाते चेक कर रहे थे कि 8,500 रुपये आये या नहीं।'' उन्होंने कहा कि चुनाव में कांग्रेस ने 8,500 रुपये प्रतिमाह खाते में डालने की बात कहकर माताओं, बहनों को गुमराह किया और इस झूठ से माताओं-बहनों के दिलों को चोट पहुंची है जो शाप बनकर कांग्रेस को तबाह करने वाली है। मोदी ने कहा, कल (सदन में) जो हुआ उसे रोके बिना हम संसदीय परम्परा की रक्षा नहीं कर सकते। इन हरकतों को बालक बुद्धि समझकर कतई नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। मैं इसलिए कह रहा हूं कि इसके पीछे इरादे नेक नहीं हैं।

'शोले' के संवाद के जरिये राहुल पर मोदी का तंज, कहा: 'मौसी जी, नैतिक जीत तो है ना'

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बहुचर्चित फिल्म 'शोले' के एक मशहूर दृश्य एवं संवाद के बहाने कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि तीसरी बार लोकसभा चुनाव में शिकस्त खाने के बावजूद यह पार्टी यही राग अलाप रही है, ''मौसी जी, यह नैतिक जीत है।'' मोदी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के जवाब के दौरान कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए इसे परजीवी पार्टी भी कहा और दावा किया कि कांग्रेस ने अपने सहयोगियों के वोट खा लिये। उन्होंने कहा, ''कांग्रेस नेताओं के बयान फिल्म 'शोले' से भी आगे निकल गए हैं। आप सभी को फिल्म की मौसी जी याद होंगी। तीसरी बार तो हारे हैं, पर मौसी जी, नैतिक जीत तो है ना। मोदी ने यह भी कहा, ''अरे मौसी, 13 राज्यों में कोई सीट नहीं आई, फिर भी हीरो तो हैं ना।'' उन्होंने कहा, ''पार्टी की लुटिया तो डूबी है, अरे मौसी, पार्टी अभी सांसें तो ले रही है न।'' उनका इशारा 'शोले' के मशहूर कॉमिक दृश्य की ओर था जिसमें 'जय' का किरदार निभाने वाले अमिताभ बच्चन बसंती (हेमा मालिनी) की बूढ़ी मौसी से अपने दोस्त वीरू (धर्मेन्द्र) की शादी की बात करने जाते हैं। जय अपने दोस्त (वीरू) की शादी के लिए बसंती का हाथ उसकी मौसी से मांगता है और अपने दोस्त की बुराइयों का जिक्र करता रहता है। फिर उन बुराइयों का बचाव करते हुए मजेदार कारण भी बताता है।

लोकसभा में विपक्ष के आचरण को लेकर निंदा प्रस्ताव पारित

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संबोधन के दौरान विपक्षी सदस्यों द्वारा संसदीय मर्यादाओं को ''तार-तार करने'' की निंदा करते हुए एक प्रस्ताव सदन में रखा जिसे ध्वनिमत से मंजूरी दी गई। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा का प्रधानमंत्री मोदी के जवाब देने के बाद सिंह ने निंदा प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा,''राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान जब प्रधानमंत्री का संबोधन चल रहा था तो उस दौरान विपक्ष द्वारा संसदीय मार्यादाओं को लगातार तार-तार किया गया। मैं प्रस्ताव करता हूं कि इस कृत्य की पूरा सदन भर्त्सना करता है।''

गृह मंत्री अमित शाह ने इस प्रस्ताव का अनुमोदन किया जिसे सदन ने ध्वनिमत से मंजूरी दे दी। विपक्षी सदस्यों ने इस प्रस्ताव का विरोध किया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने इस दौरान कहा, मैंने सभी सदस्यों को पूरा मौका दिया...नेता प्रतिपक्ष को 90 मिनट बोलने का मौका दिया...लेकिन आपका (विपक्ष) यह व्यवहार न तो संसदीय अचारण के अनुकूल है, न ही देश के लोकतंत्र के लिए उचित है।''

उन्होंने कहा, ''देश आज देख रहा है कि जब प्रधानमंत्री अपनी बात रख रहे थे तो प्रतिपक्ष के नेता (राहुल गांधी) माननीय सदस्यों को आसन के निकट जाने के लिए कह रहे थे, यह संसदीय परंपराओं के लिए उचित नहीं है।'' सदन ने राजनाथ सिंह द्वारा लाए गए प्रस्ताव को ध्वनिमत से मंजूरी दी। प्रधानमंत्री मोदी के लगभग सवा दो घंटे के भाषण के दौरान कांग्रेस समेत विपक्षी दलों के सदस्य नारेबाजी करते रहे।

लोकसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

नई दिल्ली/भाषा। अठारहवीं लोकसभा के पहले सत्र की बैठक मंगलवार को राष्ट्रपति अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पारित होने के बाद अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दी गई। अठारहवीं लोकसभा के पहले सत्र की शुरुआत 24 जून को हुई थी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि इस सत्र में सदन की सात बैठक हुईं जो लगभग 34 घंटे तक चलीं तथा इसकी कार्य उत्पादकता लगभग 103 प्रतिशत रही।

सत्र के प्रारंभ में 18वीं लोकसभा के 539 सदस्यों ने शपथ ली और 26 जून को लोकसभा अध्यक्ष का निर्वाचन संपन्न हुआ जिसमें बिरला को पुन: अध्यक्ष चुना गया। इसी दिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी मंत्रिपरिषद का सदन से परिचय कराया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 27 जून को संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित किया और इसी दिन अध्यक्ष बिरला ने कांग्रेस सांसद राहुल गाधी को नेता प्रतिपक्ष के रूप में मान्यता दी।

बिरला ने कहा, ''कल और आज 18 घंटे से अधिक चर्चा के बाद राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव को पारित किया गया। इसमें 68 सदस्यों ने भागीदारी की और 50 से अधिक सदस्यों ने लिखित वक्तव्य रखे।'' धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को जवाब दिया और इस प्रस्ताव को पारित किया गया। इसके बाद अध्यक्ष बिरला ने लोकसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने की घोषणा की।

उत्तर प्रदेश के हाथरस में सत्संग में मची भगदड़, 116 लोगों की मौत

- भगदड़ उस समय हुई जब लोग प्रवचनकर्ता बाबा नारायण हरि द्वारा आयोजित 'सत्संग' के बाद घर लौट रहे थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हाथरस/एटा (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले के सिकंदराराऊ क्षेत्र में आयोजित एक सत्संग में मंगलवार को भगदड़ मच गयी, जिसमें दम घुटने और कुचले जाने से 116 लोगों की मौत हो गयी और कई अन्य घायल हो गये। पुलिस ने यह जानकारी दी। भगदड़ उस समय हुई जब लोग जिले के पुलराई गांव में प्रवचनकर्ता बाबा नारायण हरि द्वारा आयोजित 'सत्संग' के बाद घर लौट रहे थे। बाबा नारायण हरि को उनके अनुयायी साकार विश्व हरि भोलेबाबा के नाम से भी जानते है। एटा और हाथरस सटे जिले हैं और सत्संग में एटा के लोग भी शामिल होने पहुंचे थे। एटा के एक अस्पताल में हादसे के पीड़ित 27 लोगों के शव लाए गए हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार सिंह ने बताया कि इनमें से 23 महिलाएं हैं जबकि हाथरस जिले में 89 मृतकों के शव रखे गए हैं। अलीगढ़ परिक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) शलभ माथुर ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि हाथरस में भगदड़ की घटना में 116 लोगों की मौत हो गई है।

आदित्य-एल1 ने सूर्य-पृथ्वी एल-1 बिंदु की पहली हेलो कक्षा की परिक्रमा पूरी की

बेंगलूरु/भाषा। भारत के पहले सौर मिशन आदित्य-एल1 अंतरिक्ष यान ने मंगलवार को सूर्य-पृथ्वी के एल1 बिंदु के चारों ओर पहली हेलो कक्षा की अपनी परिक्रमा मंगलवार को पूरी की। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने यह जानकारी दी। अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि मंगलवार को कक्षा में स्थिर रखने के लिए फेरबदल किया गया ताकि यान का दूसरी हेलो कक्षा में निर्बाध संक्रमण सुनिश्चित किया जा सके। आदित्य-एल1 मिशन लैग्रेंजियन बिंदु एल1 पर स्थित एक भारतीय सौर वेधशाला है। इसे दो सितंबर 2023 को प्रक्षेपित किया गया और छह जनवरी 2024 को इसे अपनी लक्षित हेलो कक्षा में स्थापित किया गया। इसरो के अनुसार हेलो कक्षा में आदित्य-एल1 अंतरिक्ष यान को एल1 बिंदु के चारों ओर एक चक्कर पूरा करने में 178 दिन लगते हैं।

A JAIN INSTITUTION

ADARSH GROUP OF INSTITUTIONS

5th Main, Chamarajpet, Bengaluru - 18 | www.agieducation.org

Adarsh Institute of Management and Information Technology proudly congratulate

Ms. Sahana Shree B

for securing

University 1st Rank

in the MBA Program 2024

(Bengaluru City University)

2 Gold Medals awarded for her exceptional accomplishments by His Excellency Sri. Thaawarchand Gehlot, Hon'ble Governor of Karnataka

Adarsh Institute of Management and Information Technology had secured 1st and 5th ranks during first convocation of Bengaluru City University in the year 2022

adarsh AIMIT Indian Values • Global Perspective

Management, Principal & Staff
Adarsh Group of Institutions

सूर्यास्त 03-07-2024	6:50 बजे
सूर्योदय 04-07-2024	5:58 बजे
BSE	79,441.45 (-34.73)
NSE	24,123.85 (-18.10)
सोना	7,430 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम
चांदी	90,221 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

अदब और कायदा

हम भूल गए अब अदब,
सदन की मर्यादाएं चूर-चूर।
सब देख रहे इक दूजे को,
जानी दुश्मन से घूर-घूर।
किन शब्दों से बोलें कैसे,
मन के भावों को पूर-पूर।
हम भटक रहे हैं राहों से,
मंजिल अब भी है दूर-दूर।।

हम नये आपराधिक कानूनों पर टिप्पणी नहीं करेंगे : प्रधान न्यायाधीश

नई दिल्ली/भाषा। तीन नये आपराधिक कानूनों को लेकर जारी बहस के बीच भारत के प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने मंगलवार को इन पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया और कहा कि इन कानूनों से उत्पन्न मुद्दे उच्चतम न्यायालय में लंबित हैं। तीन नए कानून भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) एक जुलाई से पूरे देश में लागू हो गए और इन कानूनों ने क्रमश: भारतीय दंड संहिता, दंड प्रक्रिया संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम का स्थान लिया। हाल ही में नए कानूनों पर रोक लगाने की मांग करते हुए शीर्ष अदालत में एक जनहित याचिका दायर की गई थी। इसमें इन कानूनों में कुछ प्रावधानों की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी गई है।

दिल्ली में निचली अदालत की नई इमारतों के लिए कड़कड़डूमा, शास्त्री पार्क और रोहिणी में शिलान्यास समारोह के बाद मीडिया से बातचीत में प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ये मुद्दे उच्चतम न्यायालय में विचाराधीन हैं, हो सकता है कि अन्य उच्च न्यायालयों में भी लंबित हों। इसलिए मुझे ऐसी किसी चीज पर नहीं बोलना चाहिए, जिसके अदालत के समक्ष आने की संभावना हो। कार्यक्रम में अपने भाषण में प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि अदालतें केवल संविधान का पालन करती हैं और वादकारियों के अलावा किसी और की सेवा नहीं करती हैं।

कांग्रेस अब परजीवी हो गई है, सहयोगी दलों की कीमत पर फल-फूल रही है : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस पर अराजकता फैलाने की साजिश रचने का आरोप लगाते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि मुख्य विपक्षी दल को अब से परजीवी पार्टी के रूप में जाना जाएगा जो अपने सहयोगी दलों की कीमत पर फलती फूलती है। कांग्रेस को आड़े हाथ लेते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने लोकसभा में कहा, ''कांग्रेस पार्टी 2024 से परजीवी कांग्रेस पार्टी के रूप में जानी जाएगी। परजीवी वो होता है जो जिस शरीर के साथ रहता है, उसी को खाता है। कांग्रेस भी जिस पार्टी के साथ गठबंधन करती है, उसी के वोट खा जाती है। अपनी सहयोगी पार्टी की कीमत पर फलती फूलती है। इसलिए कांग्रेस परजीवी कांग्रेस बन चुकी है।''

उन्होंने कहा, ''मैं जब परजीवी कह रहा हूं तो तथ्यों के आधार पर कह रहा हूं। जहां-जहां भाजपा और कांग्रेस का सीधा मुकाबला था या कांग्रेस बड़ी पार्टी थी, वहां कांग्रेस का स्ट्राइक रेट' सिर्फ 26 प्रतिशत है। लेकिन जहां ये किसी का पल्लू पकड़कर चलते थे, जहां जूनियर सहयोगी थे, जहां किसी अन्य दल ने उन्हें कुछ मौका दे दिया, ऐसे राज्यों में कांग्रेस का 'स्ट्राइक रेट' 50 प्रतिशत है।''

उन्होंने 'इंडि' गठबंधन में कांग्रेस के सहयोगी दलों का जिक्र करते हुए कहा कि इस चुनाव में कांग्रेस को मिलीं 99 सीट में से ज्यादातार सीट उनके सहयोगियों ने उन्हें जिताई हैं इसलिए यह परजीवी कांग्रेस है। मोदी ने कहा कि 16 राज्यों में जहां कांग्रेस अकेले लड़ी, वहां उसका वोट प्रतिशत इस चुनाव में गिर गया। उन्होंने द्रमुक, समाजवादी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस आदि दलों का नाम लिए बिना कहा, मुझे नहीं पता कि कांग्रेस के साथी दलों ने इस चुनाव के परिणाम का विश्लेषण किया या नहीं। इन साथियों के लिए भी चुनाव में संदेश है। गुजरात, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में जहां कांग्रेस अपने दम पर लड़ी, वहां 64 में से 2 ही सीट जीत पाई। इसका साफ मतलब है कि इस चुनाव में कांग्रेस पूरी तरह परजीवी बन चुकी है और अपने सहयोगी दलों के कंधे पर चढ़कर उन्होंने सीटों का आंकड़ा बढ़ाया है।

मोदी ने कहा, ''अगर कांग्रेस ने अपने सहयोगियों के जो वोट खाए हैं, वो ना खाए होते तो

लोकसभा में उनके लिए इतनी सीट भी जीत पाना बहुत मुश्किल था।'' सदन में राष्ट्रपति अभिभाषण पर लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, ''मैं कांग्रेस के लोगों को कहूंगा कि जनादेश को फर्जी जीत के जश्न में मत गंवाओ, ईमानदारी से देशवासियों के जनादेश को जरा समझने की कोशिश करो, उसे स्वीकार करो। देश ने विकास के रास्ते को चुना है, विकसित भारत के सपने को साकार करने का मन बना लिया है।'' उन्होंने मुख्य विपक्षी दल को घेरते हुए कहा कि पार्टी के नेता दक्षिण भारत में उत्तर के खिलाफ बोलते हैं तो उत्तर में जाकर पश्चिम के खिलाफ जहर उगलते हैं, ये महापुरुषों के खिलाफ बोलते हैं और इन्होंने भाषा के आधार पर बांटने की हर कोशिश की है। प्रधानमंत्री ने कहा, ''जिन नेताओं ने देश के हिस्सों को भारत से अलग करने की वकालत की थी, उन्हें चुनाव में टिकट देने का पाप कांग्रेस ने किया है। कांग्रेस पार्टी खुलेआम एक जाति को दूसरी जाति के खिलाफ लड़ने के लिए अफवाह फैला रही है।'' मोदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस देश में आर्थिक अराजकता फैलाने की दिशा में सोची समझी चाल चल रही है। उन्होंने कहा, ''चुनाव के दौरान जो बातें की गईं। वे (कांग्रेस) अपने शासन वाले राज्यों में जिस तरह के कदम उठा रहे हैं, वो आर्थिक अराजकता की तरफ घसीटने वाला रास्ता है। उनके राज्य देश पर आर्थिक बोझ बन जाएं, ये खेल जानबूझकर खेला जा रहा है। मंचों से साफ-साफ घोषणा की गई कि मन का परिणाम नहीं आया तो चार जून को देश में आग लगा दी जाएगी, लोग एकत्रित होंगे, अराजकता फैलाएंगे। इनका यही मकसद है।''

प्रधानमंत्री के संबोधन शुरू होने से पहले कांग्रेस सदस्यों ने मणिपुर के मुद्दे पर कुछ देर बोलने की अनुमति लोकसभा अध्यक्ष से मांगी जिस पर अध्यक्ष ने कहा कि मणिपुर के सांसद को बोलने का मौका कल दिया जा चुका है। इसके बाद कांग्रेस समेत विपक्षी दलों के सदस्य आसन के समीप आकर 'मणिपुर को न्याय दो' के नारे लगाने लगे। प्रधानमंत्री के पूरे भाषण के दौरान विपक्षी नेता नारेबाजी करते रहे। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने नेता प्रतिपक्ष (राहुल गांधी) को संबोधित करते हुए कहा, सदन के नेता बोल रहे हैं और आप अपने सदस्यों को आसन के पास आने का निर्देश देते हैं। यह तरीका सही नहीं है और संसदीय परंपराओं के विरुद्ध है। बिरला ने कहा कि विपक्ष के सदस्यों को बोलने का पर्याप्त समय दिया गया, उसके बाद सबसे पुरानी पार्टी का यह व्यवहार संसदीय परंपराओं के अनुरूप नहीं। प्रधानमंत्री ने कहा कि 2024 के चुनाव में कांग्रेस पार्टी के लिए जनता ने आदेश दिया है कि वह विपक्ष में ही बैठे। उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस के पास तर्क खत्म हो जाते हैं तो वे इसी तरह चीखते चिल्लाते रहते हैं। उन्होंने कहा, ''कांग्रेस के इतिहास का यह पहला मौका है जब लगातार तीन बार कांग्रेस सौ का आंकडा पार नहीं कर पाई। कांग्रेस के इतिहास में उसकी यह तीसरी सबसे बड़ी हार है, तीसरा सबसे खराब प्रदर्शन है। अच्छा होता कांग्रेस अपनी हार स्वीकार करती, जनता के आदेश को सर आंखों पर रखती, आत्ममंथन करती। लेकिन ये तो शीर्षासन करने में लगे हैं।'' उन्होंने कहा कि ''कांग्रेस और उसका इकोसिस्टम' दिनरात हिंदुस्तान के नागरिकों के मन में यह बात बैठाने की कोशिश कर रहे हैं कि उन्होंने हमें हरा दिया है।'' मोदी ने कहा कि ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि हारने वाले का झूठ बोलकर उत्साहवर्धन किया जा रहा है। उन्होंने राहुल गांधी का नाम लिए बिना उन पर तंज कसते हुए कहा, आजकल बच्चे का मन बहलाने का काम चल रहा है। कांग्रेस के लोग और उनका तंत्र आजकल ये मन बहलाने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस को मिलीं 99 सीटों का जिक्र करते हुए कहा कि ऐसा संदेश दिया जा रहा है मानो उन्हें 100 में से 99 अंक मिले हों, जबकि ये अंक उन्हें 543 में से मिले हैं।

राज्यसभा में धनखड़ और खरगे के बीच हुआ वाकयुद्ध

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में मंगलवार को जगदीप धनखड़ और मल्लिकार्जुन खरगे के बीच उस समय कुछ देर के लिए वाकयुद्ध छिड़ गया जब सभापति ने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि वरिष्ठ सदस्य जयराम रमेश को विपक्ष के नेता का स्थान ग्रहण कर लेना चाहिए। धनखड़ ने सदन की कार्यवाही के दौरान बार-बार टोका-टोकी करने का प्रयास कर रहे कांग्रेस सांसद जयराम रमेश को अनुशासित करने के प्रयास के तहत यह बात कही थी। उस समय कांग्रेस के उपनेता प्रमोद तिवारी राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में भाग ले रहे थे।

रमेश पर की गई टिप्पणी के बाद कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने पलटवार करते हुए सभापति धनखड़ से कहा कि वह वर्ण व्यवस्था को बीच में न लाएं। इस कड़वाहट भरे संवाद की शुरुआत उस वक्त हुई जब तिवारी ने सरकार पर कुछ आरोप लगाए। सभापति ने उनसे कहा कि उन्हें अपने आरोपों को सत्यापित भी करना होगा। इस पर रमेश ने कहा कि सत्यापित कर दिया जाएगा। इसके बाद सभापति ने कहा, वरिष्ठ नेतृत्व (खरगे) यहां है। मुझे लगता है कि आपको (रमेश को) खरगे की जगह ले लेनी चाहिए। आप इतने बुद्धिमान, इतने प्रतिभाशाली हैं, आपको तत्काल आकर खरगे के स्थान पर बैठना चाहिए क्योंकि कुल मिलाकर आप उनका काम कर रहे हैं।

इस पर, खरगे ने पलटवार करते हुए कहा, ''वर्ण व्यवस्था को मत लाओ... इसीलिए आप रमेश को बहुत समझदार कह रहे हैं... और मैं सुस्त हूं।'' गुस्साए धनखड़ ने खरगे पर आरोप लगाया कि उन्होंने उनकी टिप्पणी को तोड़-मरोड़कर पेश किया और उनका ऐसा मतलब कभी नहीं था। उन्होंने कहा, संसदीय लोकतंत्र और राज्यसभा की कार्यवाही के इतिहास में कभी भी आसन की इस तरह की अवहेलना नहीं हुई।

खरगे ने कहा कि वह आज जो कुछ भी हैं, कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और देश के लोगों की वजह से हैं। बाद में तिवारी ने संसद के संयुक्त सत्र में राष्ट्रपति द्वारा दिए गए अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर अपनी बात जारी रखी।

सिखों के धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप करना बंद करे सरकार : हरसिमरत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। शिरोमणि अकाली दल की सांसद हरसिमरत कौर बादल ने मंगलवार को सरकार से किसानों के मुद्दे सुलझाने और सिखों के धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप करना बंद करने की अपील की। लोकसभा में राष्ट्रपति अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री हरसिमरत ने कहा कि एक तरफ सत्तापक्ष चुनाव में अपेक्षाकृत कमजोर प्रदर्शन पर अपनी पीठ थपथपा रहा है तो विपक्ष अपनी पीठ थपथपा रहा है।

उन्होंने कहा कि पिछले कुछ महीने में पंजाब के किसानों ने आंदोलन किया और अनेक किसान मारे गए लेकिन इस सरकार ने उनकी बात नहीं सुनी। अकाली दल नेता ने कहा कि सरकार को किसानों से किए गए वादों को पूरा करना चाहिए। उन्होंने पंजाब में मादक पदार्थ की समस्या को समाप्त करने की भी मांग की। उन्होंने दावा किया कि सरकार अल्पसंख्यकों के धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप करती है और उनके धर्मस्थलों पर कब्जा करती है। उन्होंने कहा कि सरकार को सिखों के धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप करना बंद कर देना चाहिए। हरसिमरत ने कांग्रेस पर भी निशाना साधते हुए कहा कि इस पार्टी ने सिखों का कत्लेआम किया। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) और राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) लगाकर एक तरह से पिछले दरवाजे से आपातकाल लगाया जा रहा है।

समझौता ज्ञापन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने मंगलवार को नई दिल्ली में रक्षा परीक्षण अवसंरचना योजना (डीटीआईएस) के अंतर्गत तमिलनाडु रक्षा औद्योगिक गलियारे में मानव रहित हवाई प्रणाली (यूएएस), इलेक्ट्रॉनिक युद्ध (ईडब्ल्यू) और इलेक्ट्रो ऑप्टिक्स (ईओ) डोमेन में परीक्षण सुविधाएं स्थापित करने के लिए रक्षा मंत्रालय (एमओडी) और तमिलनाडु औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के अवसर पर उपस्थित थे।

भाजपा नेताओं ने प्रधानमंत्री को भगवान से बड़ा बताया तो भगवान ने दंडित किया : वेणुगोपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने मंगलवार को कहा कि इस लोकसभा चुनाव में भगवान ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को दंडित किया क्योंकि उसके नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भगवान से भी बड़ा बताना शुरू कर दिया था।

लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में भाग लेते हुए वेणुगोपाल ने यह दावा भी किया कि अगर सीबीआई, आयकर विभाग और ईडी का इस्तेमाल नहीं किया गया होता तथा चुनाव में समान अवसर वाली स्थिति होती तो भाजपा को 140 से ज्यादा सीटें नहीं मिलतीं। उनका कहना था कि राष्ट्रपति अभिभाषण में स्पष्ट बहुमत वाली सरकार के बारे में जोर दिया गया क्योंकि सरकार में खुद असुरक्षा का भाव है। वेणुगोपाल ने कहा, ''तकनीकी रूप से ये सत्ता में हैं, लेकिन चुनाव से पहले क्या स्थिति थी..240 सीट सीबीआई, आयकर विभाग और ईडी की मदद से से मिली हैं।'' उन्होंने आरोप लगाया कि ईडी भाजपा का औजार बन गई है और भाजपा ने भ्रष्ट लोगों को साफ करने लिए 'वाशिंग मशीन' रख रखी है। कांग्रेस सांसद ने कहा कि इस चुनाव में 'इंडि' गठबंधन की नैतिक जीत हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी ने चुनाव प्रचार के दौरान संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन किया। उन्होंने सत्तापक्ष के लिए कहा, ''आप लोग सिर्फ चुनाव जीतने के मकसद से लोगों को बांटने के लिए हिंदू धर्म का सहारा ले रहे हैं...हम महात्मा गांधी के हिंदू धर्म का पालन करते हैं, आप लोग नहीं करते।''

महिलाओं को सर्वाइकल कैंसर से बचाने के लिए टीकाकरण अभियान चलाये सरकार : सुधा मूर्ति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। राज्यसभा में मंगलवार को मनोनीत सदस्य सुधा मूर्ति ने मांग की कि कोविड काल में जिस तरह टीकाकरण अभियान चलाया गया था उसी तरह महिलाओं को सर्वाइकल कैंसर से बचाने के लिए टीकाकरण अभियान चलाया जाना चाहिए क्योंकि आधी आबादी में इस बीमारी के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर उच्च सदन में हो रही चर्चा में हिस्सा लेते हुए सुधा मूर्ति ने कहा कि महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं और इससे बचाव के लिए किशोरावस्था में इसके टीके लगाने की व्यवस्था की जानी चाहिए।

उन्होंने कहा हमारी सामाजिक व्यवस्था ऐसी है जिसमें महिलाएं अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पातीं। जब वे अस्पताल पहुंचती हैं तो उनमें सर्वाइकल कैंसर तीसरे या चौथे स्टेज पर होता है। उन्हें बचाना मुश्किल हो जाता है। उन्होंने कहा कि उनके पिता कहते थे कि महिलाएं परिवार का केंद्र होती हैं और महिला के निधन के बाद पति को तो दूसरी पत्नी मिल जाती है लेकिन बच्चों को दूसरी मां नहीं मिलती। सुधा मूर्ति ने कहा कि कोविड काल में जब व्यापक टीकाकरण अभियान चलाया गया तो महिलाओं को सर्वाइकल कैंसर से बचाने के लिए अभियान क्यों नहीं चलाया जा सकता। अगर सरकार हस्तक्षेप करे तो यह महंगा भी नहीं होगा। इससे बड़ी आबादी को लाभ होगा। उन्होंने पर्यटन का जिक्र करते हुए कहा कि लोग अक्सर अजंता, एलोरा, ताजमहल देखने जाते हैं। लेकिन भारत में 42 धरोहर स्थल हैं जिनका न तो अधिक प्रचार प्रसार किया गया है और न ही उनके बारे में लोगों को जानकारी है।

जद यू ने बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की अपनी बहुप्रतीक्षित मांग सरकार से की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

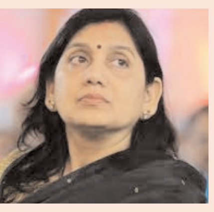

नई दिल्ली/भाषा। जनता दल (यूनाइटेड) ने मंगलवार को केंद्र सरकार से बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिए जाने की मांग की। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए जद (यू) की सदस्य लवली आनंद ने सरकार से अपील की कि वह बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने को लेकर उनकी पार्टी की बहुप्रतीक्षित मांग पर विचार करे। आनंद ने बिहार को शिवहर रेल संपर्क से जोड़ने की मांग करते हुए कहा कि अयोध्या से सीतामढ़ी (बिहार) और जनकपुर (नेपाल) रेल कॉरीडोर बनाया जाना चाहिए ताकि श्रद्धालुओं के लिए भगवान राम और मां जानकी सीता से जुड़े स्थलों तक पहुंचना सुगम हो सके।

उन्होंने आपातकाल के मुद्दे पर कांग्रेस को घेरा और कहा कि 25 जून 1975 को हिटलरशाही की तर्ज पर आपातकाल लगाया गया और अनेक नेताओं को जेल में डाल दिया गया।

प्रश्नपत्र लीक मामलों, केंद्रीय एजेंसियों के दुरूपयोग पर विपक्ष ने सरकार को घेरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में कई विपक्षी दलों ने देश में विभिन्न परीक्षाओं में प्रश्नपत्र लीक होने के बढ़ते मामलों, राज्यों के साथ भेदभाव किए जाने और केंद्रीय एजेंसियों को औजार बनाकर विपक्षी नेताओं को परेशान करने का आरोप लगाते हुए मंगलवार को दावा किया कि 'अहंकार' से देश को नहीं चलाया जा सकता है।

उच्च सदन में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव को लेकर हो रही चर्चा में भाग लेते हुए तृणमूल कांग्रेस के मोहम्मद नदीमुल हक ने कहा कि राष्ट्रपति अभिभाषण में एक शब्द गायब है और वह शब्द है 'गठबंधन'। उन्होंने दावा किया कि गोदी मीडिया' से मिलकर एक्जिट पोल कराये गये और उसके आधार पर शेयर बाजार में आयी तेजी और फिर आयी गिरावट के कारण हजारों निवेशकों के पैसे डूब गए। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार के दोहरे मापदंडों को सभी लोग जानते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को चुनौती दी कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 2021 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में हार के बाद केंद्र सरकार ने यदि मनरेगा और आवास योजना के तहत राज्य को एक भी पैसा दिया हो तो वह उसके बारे में एक श्वेत पत्र लायें।

हक ने कहा कि भाजपा महिलाओं का कभी सम्मान नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि भाजपा ने केवल 13 प्रतिशत महिलाओं को संसद में भेजा। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार ने बिल्कीस बानो से बलात्कार करने के दोषियों तक को छोड़ दिया। उन्होंने विभिन्न परीक्षाओं के प्रश्न पत्रों के लीक होने के बढ़ते मामलों पर सरकार को घेरते हुए कहा कि इसकी जिम्मेदारी भी क्या देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू पर डाली जानी चाहिए?

तृणमूल सदस्य ने कहा कि प्रधानमंत्री हर विषय पर बोलते हैं किंतु उन्हें मणिपुर हिंसा के बारे में एक भी शब्द बोलने या वहां जाने का अवसर क्यों नहीं मिला? उन्होंने कहा कि मटन' और मुर्गा जैसे शब्दों का चुनाव में प्रयोग करने के लिए उन्हें शर्म करनी चाहिए। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि प्रधानमंत्री किसी एक पार्टी के नहीं बल्कि पूरे देश के हैं, इसलिए उनके पद के सम्मान की रक्षा की जानी चाहिए। उन्होंने याद दिलाया कि एक बार तृणमूल कांग्रेस से केवल ममता बनर्जी जीतकर लोकसभा पहुंची थीं तथा कांग्रेस एवं वामपंथी नेताओं के प्रहारों से भाजपा ने ही उन्हें बचाया था। वाईएसआर कांग्रेस के वाई वी सुब्बा रेड्डी ने चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि विश्व रैंकिंग में स्वास्थ्य सुधार एवं सुविधाओं के मामले में भारत की स्थिति बहुत अच्छी नहीं है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी के प्रमुख जगन मोहन रेड्डी ने आंध्र प्रदेश में स्वास्थ्य तंत्र को कई पहल के माध्यम से मजबूती दी।

विवाह परिचय सम्मेलन 2.0 को मिला अच्छा रेस्पांस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय गोड़वाड़ भवन में मारवाड़ी सम्मेलन कर्नाटक एवं मारवाड़ी युवा मंच की बेंगलूर शाखा के सामूहिक प्रयास से आयोजित विवाह परिचय सम्मेलन2.0 को अच्छा रेस्पांस मिला। मारवाड़ी समाज अग्रवाल, माहेश्वरी, जैन व विप्र समुदाय के 150 युवक युवतियों ने कार्यक्रम में भाग लिया। समाजसेवी चन्द्रप्रकाश रामसिसरिया, मारवाड़ी सम्मेलन के स्थानीय अध्यक्ष अरुण खेमका, बेंगलूरु मंच के अध्यक्ष स्नेहकुमार जाजू आदि ने दीप प्रज्ज्वलन कर परिचय सम्मेलन की शुरुआत की। सम्मेलन के सचिव पंकज जलान ने सभय का स्वागत किया। मारवाड़ी युवा मंच कर्नाटक के प्रांतीय उपाध्यक्ष गोपालकुमार ने संचालन किया। इस आयोजन में विभिन्न सभा संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित थे। परिचय सम्मेलन में उपस्थित युवक युवतियों ने स्टेज पर आकर अपने डिजिटल बायोडाटा स्क्रीन के समक्ष अपना अपना परिचय दिया। सभी प्रतिभागियों को एक दूसरे उम्मीदवारों से परिचय करने का अवसर प्रदान किया गया। मायुम के सचिव शुभम लोहिया, कोषाध्यक्ष मनीष अग्रवाल आदि ने व्यवस्था संभाली। इस मौके पर संदीप बरड़िया व उनकी टीम ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

वायु सेना प्रमुख (सीएएस), एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने हैदराबाद में एयर फोर्स स्टेशन बेगमपेट में हथियार प्रणाली स्कूल (डब्ल्यूएसएस) का उद्घाटन किया, जिससे भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ गया।

हिंदुओं से माफी मांगें राहुल गांधी : विजयेन्द्र येडीयुरप्पा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी के कर्नाटक प्रदेशाध्यक्ष और विधायक विजयेन्द्र येडीयुप्पा ने कहा कि राहुल गांधी को हिंदुओं से माफी मांगनी चाहिए। यहां मल्लेश्वरम् में भाजपा के प्रदेश कार्यालय 'जगन्नाथ भवन' में एक मीडिया सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि देश का नेतृत्व केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा कर रही है। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस पार्टी, उसके नेता राहुल गांधी लगातार 3 बार कांग्रेस पार्टी को किसी भी तरह सत्ता में लाने की कोशिश में पूरी तरह से असफल रहे हैं। पहली बार उन्हें विपक्ष के नेता का पद मिला। सोमवार को संसद में विपक्ष के नेता के रूप में राहुल गांधी का पहला भाषण झूठ, निराशा और निराधार आरोपों से भरा था।

विजयेन्द्र ने सदन में राहुल गांधी के व्यवहार को संसद के नियमों का उल्लंघन बताते हुए आलोचना की। लोकसभा चुनाव के दौरान भी उन्होंने देश भर में घूम-घूम कर दर्जनों बार झूठ बोला था। अब वह विपक्षी नेता के रूप में अपना पुराना सिलसिला जारी रखे हुए हैं; उन्होंने विश्लेषण किया कि सांसद बनने के बाद उन्होंने अपने पद की गरिमा को बरकरार रखने के बजाय उस पद को खतरे में डालने का काम किया है। राहुल गांधी ने सोमवार को अपने भाषण में कहा कि हिंदू दिन-रात हिंसा और नफरत में लगे रहते हैं। ऐसा कहकर विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने इस देश के अनगिनत हिंदुओं का अपमान किया है। इसी तरह अग्निवीर और किसानों की बात की, सिर्फ अयोध्या मुद्दे की नहीं बल्कि माइक्रोफोन की भी बात की। इन सभी मामलों में गलत बयान देने के अलावा उन्होंने हिंदुओं की हत्या को अक्षम्य अपराध बताते हुए इसकी निंदा की।

लोकसभा चुनाव से पहले उन्होंने विदेश यात्रा की और भारत में लोकतंत्र नहीं होने का आरोप लगाया। अब सदन में हिंदुओं का अपमान करना अक्षम्य अपराध है। कांग्रेस ने 99 सीटें जीतीं और केंद्र में सत्ता में नहीं आई। कांग्रेस पार्टी, जो 100 का आंकड़ा पार नहीं कर सकी, ने कहा कि उस पार्टी के नेता राहुल गांधी ने विपक्ष के नेता के रूप में सदन का इस्तेमाल अपनी इच्छानुसार बोलने के लिए किया। एक विपक्षी नेता के रूप में, उन्होंने झूठ बोला है और अग्निवीर कर्मियों का अपमान किया है।

मैं चन्नपट्टना का सेवक हूं, मैं आपका घर का बेटा हूं : डीके शिवकुमार

चन्नपट्टना पहुंची 'सरकार'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चन्नपट्टना। सोमवार को विरुपाक्षी पुरा जिला पंचायत के अरलालू सैंड्रा के स्कूल परिसर में आयोजित 'सरकार आए आपके द्वार, सरकार करे सहयोग' कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने कहा, ''मैं उपमुख्यमंत्री के रूप में आपके सामने लोगों की सेवा करने के लिए आया हूं। चन्नापट्टना के मतदाताओं ने सबसे पहले मुझे लोगों की सेवा करने का मौका दिया। मैंने जाति के कारण लोगों की सेवा नहीं की, मैंने नीति के कारण काम किया। चूंकि चन्नापट्टनम के लिए कोई विधायक नहीं है। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि अब मैं आपके घर का बेटा हूं, मैं नौकर हूं, मैं

विधायक हूं, मैं मंत्री हूं, मैं डीसीएम हूं।

अवसर आपके दरवाजे पर आ गया है। किसी भी कारण से मत जाओ। अधिकारी एवं जन प्रतिनिधि आपके दरवाजे पर आये हैं। आपको मेरी सेवा का पूरा उपयोग करना चाहिए। मेरा कार्यालय आपकी सेवा के लिए सदैव खुला है। आप मेरे कार्यालय में आकर अपनी समस्याओं का समाधान कर सकते हैं। इससे पहले, जब मैं ऊर्जा मंत्री था, तो ट्रांसफार्मर और सिंचाई कार्यों की स्थापना से किसानों को सुविधा हुई थी। जब मैं निर्वाचन क्षेत्र विभाजन के लिए कनकपुरा गया, तो किसी भी विधायक का लोगों के बीच आने और इस तरह काम करने का कोई उदाहरण नहीं है। उन्होंने कहा कि मैं यहां किसी से प्रतिस्पर्धा करने नहीं बल्कि आपकी समस्याओं का समाधान करने आया हूं। मैं लोकसभा चुनाव में हमारी उम्मीदों से बढ़कर मतदान करने के लिए आपको धन्यवाद देने आया हूं। 80,000 वोट देने के लिए आपको कोटि-कोटि प्रणाम।

कार्यक्रम से पहले उन्होंने गारकनहल्ली एटा सिंचाई परियोजना के उन्नयन और कोडामबली एरु पाइपलाइन शाखा की क्षमता बढ़ाने के लिए 40 करोड़ की लागत से किए जाने वाले कार्यों की आधारशिला रखी।

जब उनसे पूछा गया कि क्या कार्यक्रम में ली गई याचिकाओं का निपटारा किया जा रहा है, तो उन्होंने कहा, मीडिया की आंखें लोगों की कठिनाइयों की गवाह हैं। पहले ही 5 बैठकें हो चुकी हैं। 4 बैठकें और होंगी। लोग याचिकाएं इसलिए डाल रहे हैं क्योंकि उनकी समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। उन्होंने कहा, जिन 69 लोगों ने पेंशन नहीं मिलने के लिए आवेदन किया था, उन्हें संध्या सुरक्षा योजना के तहत पैसा दिया गया है। लाभार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए जाएंगे।

केएमएफ ने प्रतिदिन एक करोड़ लीटर दूध खरीद की उपलब्धि हासिल की : मुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने मंगलवार को कहा कि कर्नाटक मिल्क फेडरेशन – जो अपने 'नंदिनी' ब्रांड के डेयरी उत्पादों के लिए जाना जाता है, ने किसानों से प्रतिदिन एक करोड़ लीटर दूध खरीद की उपलब्धि हासिल की है। सिद्दरामैया ने कहा, पिछले साल मई में कर्नाटक में दूध का उत्पादन 90 लाख लीटर प्रतिदिन था। अब केएमएफ को प्रतिदिन एक करोड़ लीटर दूध मिल रहा है। यह केएमएफ के इतिहास में एक मील का पत्थर है। उन्होंने कहा कि जब वह कई साल पहले पशुपालन मंत्री थे, तो उन्होंने डेयरियों का प्रबंधन

दुग्ध संघों को सौंप दिया था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में अब 15 दुग्ध संघ, 15 मदर डेयरियां और दूध उत्पादकों की 16,000 समितियां हैं। उन्होंने कहा कि दूध की बढ़ती खरीद के कारण 'नंदिनी' के आधे और एक लीटर दूध के पैकेट में दूध की मात्रा 50 एमएल बढ़ा दी गई है और इसी अनुपात में हाल ही में कीमतों में दो रुपये की वृद्धि की गई है।

सिद्दरामैया ने बताया, दूध उत्पादन में वृद्धि के कारण हमने पैकेट में दूध की मात्रा बढ़ा दी है। ऐसा इसलिए किया गया है क्योंकि हम दूध उत्पादकों, जो मूल रूप से किसान हैं, से यह नहीं कह सकते कि हम उनके द्वारा उत्पादित अतिरिक्त दूध नहीं खरीद सकते। उन्होंने कहा कि विपक्षी भाजपा को यह बात समझ में नहीं आई और उसने हंगामा करना शुरू कर दिया कि कर्नाटक सरकार ने दूध की कीमत बढ़ा दी है। मुख्यमंत्री ने कहा, भाजपा नेता इस मुद्दे पर झूठ फैला रहे हैं क्योंकि मुझे लगता है कि उन्हें किसानों की कोई चिंता नहीं है। सरकार दूध उत्पादकों को मानदेय के रूप में प्रतिदिन पांच करोड़ रुपये दे रही है, जो सालाना 1,800 करोड़ रुपये है।

जेल में परिजन मिलने पहुंचे तो रो पड़ा अभिनेता दर्शन

बेंगलूरु। जेल में बंद कन्नड़ सुपरस्टार दर्शन की मां, भाई, पत्नी और बेटा सोमवार को बेंगलूरु शहर के बाहरी इलाके में परप्पना अग्रहारा के केंद्रीय कारागार में उससे मिलने पहुंचे। इस दौरान परिजनों से मिलकर दर्शन रोने लगा। पुलिस सूत्रों ने बताया कि दर्शन की मां मीना, भाई दिनकर, पत्नी विजयलक्ष्मी और बेटा विनीश सोमवार सुबह उससे मिलने आए। इस दौरान दर्शन और उसकी मां भावुक हो गए। दर्शन के भाई ने दोनों को सांत्वना दी। उधर, दर्शन के परिवार को प्राथमिकता के आधार पर उससे मिलने की अनुमति देने के मामले से विवाद खड़ा हो गया। गौरतलब है कि दर्शन के परिवार ने पुलिस हिरासत में रहने के दौरान और जेल में शिफ्ट होने के बाद भी अब तक उससे मुलाकात नहीं की थी। दर्शन, उसकी सहयोगी पवित्रा गौड़ा और 15 अन्य को चित्रदुर्ग निवासी 33 वर्षीय रेणुकास्वामी की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। जांच में पता चला कि दर्शन के प्रशंसक रेणुकास्वामी ने सोशल मीडिया पर पवित्रा गौड़ा को अपमानजनक संदेश भेजे थे।

मुख्यमंत्री की पत्नी को मैसूर में अवैध तरीके से वैकल्पिक भूमि आवंटित की गई : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को आरोप लगाया कि मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) ने मुख्यमंत्री सिद्दरामैया की पत्नी पार्वती को उनके स्वामित्व वाली करीब चार एकड़ जमीन के 'अधिग्रहण' के बदले पॉश इलाके में 'अवैध रूप से' वैकल्पिक जमीन आवंटित की है।

मुख्यमंत्री ने आरोप को खारिज करते हुए कहा कि उनकी पत्नी पिछली भाजपा सरकार द्वारा शुरू की गई 50:50 अनुपात योजना के तहत वैकल्पिक भूमि की हकदार थीं, क्योंकि एमयूडीए ने उनकी भूमि का अधिग्रहण किए बिना ही उस पर प्लॉट काट दिए थे। इस योजना के तहत अगर किसी शख्स की एक एकड़ अविकसित भूमि का अधिग्रहण किया जाएगा तो उसे इसके बदले एक चौथाई एकड़ विकसित भूमि मिलेगी।

मैसूरु के रहने वाले सिद्दरामैया ने यह भी दावा किया कि उनकी पत्नी को वैकल्पिक भूमि पिछली भाजपा सरकार के दौरान दी गई थी, न कि उनके मुख्यमंत्री रहने के दौरान। कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में पूछा कि सिद्दरामैया भूमि के अवैध हस्तांतरण को कैसे उचित ठहराएंगे।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि जब मामला प्रकाश में आया तो संबंधित अधिकारियों को निलंबित करने के बजाय उनका तबादला कर दिया गया।

अशोक ने कहा कि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) या उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश को इस मामले की जांच करनी चाहिए थी, लेकिन सरकार ने घोटाले को छुपाने के लिए दो आईएएस अधिकारियों को इसकी जांच का जिम्मा सौंपा। भाजपा नेता ने पूछा, 50:50 अनुपात के तहत भूमि आवंटन की अनुमति किसने दी? पॉश इलाकों में भूमि आवंटन की सिफारिश किसने की? कैबिनेट की मंजूरी के बिना पॉश इलाके में भूमि के आदान-प्रदान की अनुमति किसने दी? सिद्दरामैया ने कहा कि उनके साले मल्लिकार्जुन ने 1996 में तीन एकड़ और 36 गुंटा जमीन खरीदी थी और यह अपनी बहन को उपहार में दे दी थी। उनकी बहन सिद्दरामैया की पत्नी हैं। एक एकड़ 40 गुंटा का होता है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने ही '50:50 अनुपात' योजना शुरू की थी।

मुख्यमंत्री ने बताया, एमयूडीए ने तीन एकड़ और 36 गुंटा जमीन का अधिग्रहण नहीं किया, बल्कि प्लॉट बनाए और उन्हें बेच दिया। ऐसा नहीं है कि मेरी पत्नी की संपत्ति का अधिग्रहण किया गया, बल्कि प्लॉट बनाए गए और उन्हें बेच दिया गया। मुझे नहीं पता कि एमयूडीए ने यह जानबूझकर किया या अनजाने में। उन्होंने कहा कि उनकी पत्नी की जमीन पर प्लॉट बनाकर एमयूडीए द्वारा बेच दिए जाने के बाद, उन्हें उनकी संपत्ति से वंचित कर दिया गया।

सिद्दरामैया ने कहा, क्या हमें अपनी भूमि खो देनी चाहिए? क्या एमयूडीए को हमें कानूनी तौर पर हमारी जमीन नहीं देनी चाहिए? जब हमने एमयूडीए से इस बारे में पूछा तो उन्होंने कहा कि वे हमें 50:50 के अनुपात में जमीन देंगे। हम इस पर सहमत हो गए। फिर एमयूडीए ने हमें अलग-अलग जगहों पर समान माप वाली जगहें दीं। इसमें क्या गलत है? इस बीच, एक स्थानीय दैनिक ने एमयूडीए द्वारा वैकल्पिक भूखंडों के आवंटन से संबंध में कथित तौर पर बड़े पैमाने पर घोटाले को लेकर एक खबर छापी जिसके बाद कर्नाटक सरकार ने शहरी प्राधिकरण आयुक्त वेंकटचलपति आर. के नेतृत्व में एक जांच समिति गठित की। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि समिति को 15 दिन में अपनी रिपोर्ट देने को कहा गया है।

नए आपराधिक कानूनों के विभिन्न पहलुओं पर बहस जरूरी : जी परमेश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर का कहना है कि भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के स्थान पर लागू किए गए तीन नए आपराधिक कानूनों के विभिन्न पहलुओं पर बहस जरूरी है। उन्होंने बेंगलूरु में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा, नए आपराधिक कानूनों में बहस के लिए कई फैक्टर हैं। यह सब गलत नहीं है; इसमें अच्छे प्रावधान भी हैं। ब्रिटिश कानूनों में संशोधन किया गया है और नए कानूनों से वर्तमान चुनौतियों का समाधान करने की उम्मीद है। गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने

कहा, हम व्यक्तियों को गिरफ्तार कर रहे हैं और कानूनी कार्रवाई कर रहे हैं। लेकिन नए कानून के अनुसार जांच जारी रहने के दौरान भी आरोपियों को रिहा किया जाना चाहिए। इसके अलावा, कुछ मामलों में केस दर्ज नहीं किए जा सकते। इन पहलुओं पर चर्चा की जरूरत है। हम जरूरी सुधारों के लिए केंद्र सरकार को सूचित करेंगे।

गृह मंत्री का कहना है कि केंद्र सरकार को कर्नाटक जैसे राज्यों से प्राप्त सुझावों पर विचार करना होगा। कर्नाटक में सोमवार रात 10 बजे तक नए कानून के तहत 66 मामले दर्ज किए गए। इसमें अकेले बेंगलूरु में 20 से 25 मामले दर्ज किए गए हैं। कर्मचारियों को नए कानूनों के अनुकूल ढलने में एक से दो महीने का समय लग सकता है। संसद में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के विवादित भाषण के बारे में जी परमेश्वर ने कहा, भाजपा राहुल गांधी के मन और बयानों को नहीं समझ पाएगी। वे भ्रमित ही रहेंगे। राहुल गांधी ने स्पष्ट रूप से कहा कि हिंदू धर्म सभी वर्गों को साथ लेकर चलने वाला धर्म है। जो लोग इसका विरोध करते हैं, वे हिंदू नहीं हैं।

कर्नाटक सरकार ने दक्षिण कोरिया की दो कंपनियों के साथ समझौते किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक सरकार ने मंगलवार को दक्षिण कोरिया के सियोल में डीएन सॉल्यूशंस और ईएमएनआई कंपनी लि. के साथ 1,040 करोड़ रुपये के दो समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए। कर्नाटक के बड़े और मझोले उद्योग तथा बुनियादी ढांचा विकास मंत्री एमबी पाटिल के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल की यात्रा के दूसरे दिन समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए।

उन्होंने दक्षिण कोरिया के सियोल में कर्नाटक में निवेश के अवसरों पर बैठकों' में भाग लिया। इसका आयोजन कर्नाटक सरकार और भारतीय दूतावास ने किया था। मंत्री के दफ्तर से जारी बयान में कहा गया है कि ये रणनीतिक साझेदारियां राज्य के विनिर्माण, अनुसंधान और विकास तथा बैटरी प्रौद्योगिकी क्षेत्रों को आगे बढ़ाने में मददगार होंगी।

बयान में कहा गया है, कर्नाटक ने डीएन सॉल्यूशंस से 1,000 करोड़ रुपये का निवेश हासिल किया है। कंपनी ने मशीन विनिर्माण सुविधाओं, एक अनुसंधान और विकास केंद्र और भारतीय विनिर्माण कंपनियों के लिए एक तकनीकी सहायता केंद्र स्थापित करने के लिए 1,000 करोड़ रुपये के निवेश की प्रतिबद्धता जतायी है।

मंत्री ने यह भी कहा कि ईएमएनआई कंपनी लि. ने बैटरी प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में 40 करोड़ रुपये का निवेश करने की प्रतिबद्धता जतायी है।

आदित्य-एल1 ने सूर्य-पृथ्वी एल-1 बिंदु की पहली हेलो कक्षा की परिक्रमा पूरी की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारत के पहले सौर मिशन आदित्य-एल1 अंतरिक्ष यान ने मंगलवार को सूर्य-पृथ्वी के एल1 बिंदु के चारों ओर पहली हेलो कक्षा की अपनी परिक्रमा मंगलवार को पूरी की। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने यह जानकारी दी। अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि मंगलवार को कक्षा में स्थिर रखने के लिए फेरबदल किया गया ताकि यान का दूसरी हेलो कक्षा में निर्बाध संक्रमण सुनिश्चित किया जा सके। आदित्य-एल1 मिशन लैग्रेंजियन बिंदु एल1 पर स्थित एक भारतीय सौर वेधशाला है। इसे दो

सितंबर 2023 को प्रक्षेपित किया गया और छह जनवरी 2024 को इसे अपनी लक्षित हेलो कक्षा में स्थापित किया गया।

इसरो के अनुसार हेलो कक्षा में आदित्य-एल1 अंतरिक्ष यान को एल1 बिंदु के चारों ओर एक चक्कर पूरा करने में 178 दिन लगते हैं। इसरो ने बताया कि हेलो कक्षा में अपनी यात्रा के दौरान आदित्य-एल1 अंतरिक्ष यान विभिन्न विकर्षणकारी बलों के संपर्क में आएगा, जिसके कारण वह लक्षित कक्षा से बाहर चला जाएगा। एजेंसी ने बताया, आदित्य-एल1 को इस कक्षा को बनाए रखने के लिए क्रमशः 22 फरवरी और सात जून को दो बार उसके मार्ग में फेरबदल किया गया। आज के तीसरे अभ्यास ने यह सुनिश्चित किया है कि एल1 के चारों ओर दूसरे हेलो कक्षा में इसकी यात्रा जारी रहे।

इसरो ने बताया, आज के फेरबदल के साथ, आदित्य-एल1 मिशन के लिए यूआरएससी-इसरो में विकसित अत्याधुनिक उड़ान गतिशीलता सॉफ्टवेयर पूरी तरह से स्थापित हो गया है।

नियुक्ति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में मंगलवार को मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने मुख्य सचिवालय में जेल और सुधार सेवा विभाग के लिए तमिलनाडु लोक सेवा आयोग द्वारा चुने गए 5 जेल अधिकारियों और 44 सहायक जेल अधिकारियों को नियुक्ति आदेश के प्रतीक के रूप में 10 व्यक्तियों को नियुक्ति आदेश जारी किए। इस कार्यक्रम में कानून मंत्री एस. इरागुपति, मुख्य सचिव शिव दास मीना, महानिदेशक, जेल और सुधार कार्य विभाग डॉ. श्री महेश्वर दयाल अनेक सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

कच्चातिवु को वापस लेने के लिए भाजपा नीत केंद्र सरकार ने कोई ठोस प्रयास नहीं किया : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने मंगलवार को कहा कि केंद्र में भाजपा सरकार के तीसरे कार्यकाल के बावजूद, कच्चातिवु द्वीप को वापस लेने के लिए कोई ठोस प्रयास नहीं किया गया। इस द्वीप को 1974 में भारत द्वारा श्रीलंका को सौंप दिया गया था।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर को लिखे प में स्टालिन ने हाल के हफ्तों में श्रीलंकाई नौसेना द्वारा तमिलनाडु के मछुआरों को पकड़े जाने की घटनाओं में अभूतपूर्व वृद्धि होने पर चिंता जताई और राज्य के मछुआरों के पारंपरिक अधिकारों को बनाए रखने के लिए स्थायी समाधान तलाशने के वास्ते ठोस कदम उठाने की अपील की। उन्होंने बताया कि श्रीलंकाई नौसेना ने एक जुलाई को 25 मछुआरों के साथ दो मोटर चालित नौकाओं और मछली पकड़ने वाली दो गैर-पंजीकृत नौकाओं को भी पकड़ा था।

स्टालिन ने कच्चातीवु द्वीप श्रीलंका को सौंपे जाने का स्पष्ट संदर्भ देते हुए कहा, दिनांक 27.06.2024 के पत्र में आपने उल्लेख किया है कि 1974 में तत्कालीन केंद्र सरकार और राज्य सरकार के बीच एक समझौते के बाद यह मुद्दा उत्पन्न हुआ था। उन्होंने कहा, ''इस संबंध में, मैं यह बताना चाहूंगा कि द्रमुक नीत राज्य सरकार ने कच्चातीवु समझौते का पुरजोर विरोध किया था और तमिलनाडु विधानसभा तथा संसद में इसका विरोध किया था। यह तथ्य सर्वविदित है कि इस संबंध में राज्य सरकार से उचित परामर्श नहीं किया गया था।'' उन्होंने कहा कि केंद्र ने भारतीय मछुआरों के अधिकारों और हितों को खतरे में डालते हुए द्वीप को पूरी तरह से श्रीलंका को सौंप दिया।

स्टालिन ने कहा कि केंद्र में भाजपा के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार सरकार बनने के बावजूद द्वीप को पुनः प्राप्त करने के लिए कोई ठोस और सार्थक प्रयास नहीं किया गया है और मुद्दे का इस्तेमाल सिर्फ चुनावी बयानबाजी के लिए किया गया। उन्होंने कहा, समय की मांग है कि तमिलनाडु के मछुआरों की समस्याओं को कम किया जाए और इस गंभीर समस्या का स्थायी समाधान निकाला जाए।

विश्वविद्यालय वैश्विक चुनौतियों को स्वीकार करते हुए रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों का निर्माण करें : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/एजेंसी। राज्यपाल एवं कुलाधिपति कलराज मिश्र ने कहा है कि विश्वविद्यालय वैश्विक चुनौतियों को स्वीकार करते हुए रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों का निर्माण करें। उन्होंने विश्वविद्यालयों को कौशल विकास से संबंधित शिक्षा पर विशेष ध्यान देते हुए 'विकसित भारत 2047' की संकल्पना को साकार करने का आह्वान किया।

राज्यपाल मंगलवार को कोटा विश्वविद्यालय के 10वें दीक्षांत समारोह में स्नातक, स्नातकोत्तर एवं विद्या वाचस्पति अभ्यर्थियों को गोल्ड मेडल एवं उपाधियां प्रदान करने के बाद संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में कन्या छात्रावास, धनवन्तरी भवन एवं बॉस्केटबॉल, वॉलीबॉल, टेनिस कोर्ट का लोकार्पण भी किया।

राज्यपाल कलराज मिश्र ने मंगलवार को कोटा विश्वविद्यालय के 10वें दीक्षांत समारोह में स्नातक, स्नातकोत्तर एवं विद्या वाचस्पति अभ्यर्थियों को गोल्ड मेडल एवं उपाधियां प्रदान किए। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में कन्या छात्रावास, धनवन्तरी भवन एवं बॉस्केटबॉल, वॉलीबॉल, टेनिस कोर्ट का लोकार्पण भी किया।

राज्यपाल ने कहा कि दीक्षांत शिक्षा का अंत नहीं बल्कि नव जीवन का प्रारंभ है। यह वह अवसर है जब विद्यार्थी प्राप्त शिक्षा का राष्ट्र और समाज के उत्थान में उपयोग करने के लिए तैयार होता है।

दीक्षांत समारोह में राज्यपाल ने साक्षी जैन को कुलाधिपति पदक, पूजा साहू को कुलपति पदक, जबकि 60 छात्र-छात्राओं को स्वर्ण पदक एवं 49 विद्यावाचस्पति उपाधियां प्रदान की। कोटा विश्वविद्यालय की ओर से कुल 88 हजार 692 उपाधियां प्रदान की गई हैं। इनमें 43 हजार 677 छात्र (49 प्रतिशत) एवं 45 हजार 15 छात्राएं (51 प्रतिशत) शामिल हैं।

राज्यपाल ने 51 फीसदी छात्राओं के उपाधि हासिल करने एवं शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने पर खुशी जताते हुए कहा कि बेटियों को अवसर प्रदान किए जाएं तो वे किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। छात्राएं अपनी प्रतिभा का समुचित सदुपयोग कर निरंतर आगे बढ़ रही है। उन्होंने आह्वान किया कि छात्र-छात्राएं सामूहिक सहयोग से विकसित भारत का संकल्प पूरा करें। उन्होंने कहा कि इस समय हमारा देश अपने अमृत काल में है। जी-20 की अध्यक्षता भारत को मिली है और इस कार्यकाल ने भारत को एक महाशक्ति के रूप में उभारा है। भारत इस समय विश्व की 5वीं बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बन गया है।

राहुल गांधी ने हिंदुओं का अपमान किया : मुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सदन में अपने भाषण के दौरान हिंदुओं का अपमान किया।

लोकसभा में विपक्ष के नेता के रूप में अपने पहले भाषण में राहुल ने सोमवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए कहा था कि 'खुद को हिंदू कहने वाले हर समय हिंसा और नफरत फैलाने' में लगे हैं।

मुख्यमंत्री शर्मा ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''संसद में कल राहुल गांधी ने हिंदुओं को हिंसक, असत्यवादी और नफरतवादी की संज्ञा दी है। वह न केवल झूठ बोल रहे हैं बल्कि 125 करोड़ हिंदुओं को अपमानित करने का काम कर रहे हैं। कल संसद में उनकी भाषा आपने देखी होगी कि किस तरह उन्होंने बार-बार हिंदुओं का अपमान करने वाली बातें कहीं।''

यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश कार्यालय में मीडिया को संबोधित करते हुए शर्मा ने कहा, ''राहुल गांधी का नेता प्रतिपक्ष के रूप में पहला भाषण ही झूठ, निराशा और तथ्यहीन बातों को लेकर था। लोकसभा में राष्ट्रपति जी के अभिभाषण पर चर्चा होनी थी जिस पर राहुल गांधी एक शब्द भी नहीं बोले। उन्होंने सदन में केवल झूठ बोला।'' उन्होंने कहा, ''राहुल गांधी ने अपने भाषण में न केवल हिंदुओं का घोर अपमान किया बल्कि हिंदू समाज को हिंसक, नफरती और झूठा बताया।''

शर्मा ने कहा, ''तुष्टीकरण की नीति अपनाकर वोटों का ध्रुवीकरण करना, कांग्रेस की आदत रही है और वे एक दूसरे में वैमनस्यता फैलाने का काम करते हैं। कांग्रेस नेता सदैव हिंदू समाज के खिलाफ बोलते रहे हैं। वर्ष 2013 में तत्कालीन गृहमंत्री सुशील कुमार शिंदे ने हिंदुओं को आतंकवादी बताया था और बाद में उनको माफी भी मांगनी पड़ी।'' उन्होंने कहा, ''हिंदुओं को हिंसक और असत्यवादी बताना, संसद की बहस के दौरान ईश्वर के चित्रों को सामने रखना और इस पर राजनीति करना, नेता प्रतिपक्ष को शोभा नहीं देता।''

मुख्यमंत्री ने कहा, ''मैं राहुल गांधी को कहना चाहता हूं कि आपको विचार करना पड़ेगा, सोचना पड़ेगा और पढ़ना पड़ेगा कि हिंदू कौन है...वसुधैव कुटुंबकम की भावना रखने वाला... सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया की कामना करने वाला, हिंदू है। ...धर्म की जय हो अधर्म का नाश हो, प्राणियों में सद्भावना हो, विश्व का कल्याण हो, इस मंत्र को जीने वाला हिंदू है। प्राणी मात्र में हिंदू का वास देखने वाला हिंदू है।'' उन्होंने कहा, ''हिंदू की परिभाषा बहुत बड़ी है। हिंदू की परिभाषा राहुल जी आप नहीं सीख सकते क्योंकि आपके अंदर वो संस्कार नहीं हैं। राहुल जी आपने तो अभी पांच-सात साल से देखनी (भगवान शिव का तस्वीर) शुरू की है हिंदू घर में व्यक्ति जन्म से मृत्यु तक इसे अपने सीने में रखता है।'' शर्मा ने कहा, ''राहुल गांधी के प्रमाणपत्र की आवश्यकता नहीं है कि हिंदू क्या है? राहुल गांधी ने तो अपनी शपथ में भी ईश्वर का नाम नहीं लिया। अपनी ओच्छी राजनीति और एक वर्ग विशेष को खुश करने के लिए हिंदुओं को गाली देना राहुल गांधी की आदत बन चुकी है।'' उन्होंने कहा, ''कांग्रेस का चरित्र ही हिंदू विरोधी बन चुका है।''

मुलाकात

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से सोमवार को मुख्यमंत्री आवास पर वर्ल्ड बैंक के प्रतिनिधि मंडल ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधि मंडल सदस्यों के साथ प्रदेश में सड़क, जल, बिजली, नगरीय विकास और परिवहन क्षेत्र के विषयों पर चर्चा की। इस दौरान प्रदेश के विकास में वर्ल्ड बैंक की भूमिका को लेकर भी विस्तृत चर्चा की गई। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों के साथ राज्य में चल रही परियोजनाओं एवं विभिन्न सेक्टर में किए जा रहे विकास कार्यों सहित भविष्य के विजन की जानकारी साझा की। इस 6 सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल में श्रीमती भावना भाटिया, अर्नब बंद्योपाध्याय, श्रीमती रीनू अनेजा, तुषार अरोड़ा, राजगोपाल और हर्ष शामिल थे।

खाद्य, नागरिक आपूर्ति विभाग की अनूठी पहल, अब घर बैठे ही मिलेगा राशन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ऐसे परिवार जिनके सभी सदस्य 18 वर्ष से कम या 60 वर्ष से अधिक आयु के अथवा निःशक्त हैं जो राशन लेकर आने में असमर्थ हैं उन्हें घर बैठे राशन मिलेगा।

जयपुर/एजेंसी। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मंत्री श्री सुमित गोदारा ने बताया कि बजट घोषणा के अनुसार राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजनान्तर्गत प्रदेश में योजना शुरू की गई है। जिसमें ऐसे परिवार जिनके सभी सदस्य 18 वर्ष से कम या 60 वर्ष से अधिक आयु के अथवा निःशक्त हैं जो राशन लेकर आने में असमर्थ हैं उन्हें घर बैठे राशन मिलेगा। उन्होंने बताया कि उचित मूल्य दुकानदार या उसके द्वारा नामित व्यक्ति घर बैठे राशन उपलब्ध करवाएगा। इसके लिए संबंधित व्यक्ति वितरण के दौरान पोस मशीन, वेट मशीन तथा अन्य आवश्यक सामान साथ लेकर जायेगा।

गोदारा ने बताया कि राज्य में 60 वर्ष से अधिक आयु के कुल 8 लाख 56 हजार 422 राशन कार्ड धारक हैं एवं ऐसे राशन कार्ड धारक जिनमें कम से कम एक व्यक्ति दिव्यांग है एवं अन्य सदस्यों की आयु 60 वर्ष से अधिक एवं 18 वर्ष से कम है उनकी संख्या 9 हजार 756 है। कुल 8 लाख 66 हजार 178 परिवार है। उन्होंने बताया कि दुकानदार को एक से दो राशनकार्ड पर 80 रुपये, तीन से पाँच पर 200 रुपये, छः से दस पर 300 रुपये, दस से अधिक पर 320 रुपये कमीशन दिया जायेगा। उन्होंने जिला रसद अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे वृद्ध एवं दिव्यांग परिवारों की सूची दुकानदार को एवं होम डिलीवरी के माध्यम से वितरण के सत्यापन के बाद उत्साहन कमीशन राशि दुकानदार को उपलब्ध करवाने की आवश्यक व्यवस्था करवाएंगे।

झुंझुनू में जमीन के विवाद में बाप-बेटे की हत्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

झुंझुनू/एजेंसी। राजस्थान के झुंझुनू जिले में मंगलवार की सुबह भूमि विवाद में चचेरे भाइयों ने पिता- पुत्र की हत्या कर दी।

जिला पुलिस अधीक्षक राजर्षि राज वर्मा ने बताया कि घटना जिले के सूरजगढ़ थाना इलाके के धींगड़िया गांव में हुई। जानकारी के अनुसार घटना में दो पक्ष शामिल है। दोनों पक्ष आपस में दो दादाओं की औलाद है। इनमें नेतराम और गणपत राम दोनों भाई थे। दोनों के नाम करीब 20 बीघा जमीन है। इसी जमीन को लेकर दोनों परिवारों में विवाद है।

मृतक बाबूलाल के पुत्र विकास कुमार ने बताया कि मंगलवार सुबह खेत में उसके पिता बाबूलाल (50), भाई सोनू (21), बहन प्रियंका (30) और माँ सुनिता (45) काम कर रहे थे। सुबह करीब नौ बजे दूसरे पक्ष से पुनीत, देवेंद्र, सांवरमल, नेतराम, सरोज, पवन सहित अन्य लोगों ने पहले तलवार, लाठियों और सरियों से हमला कर दिया।

मारपीट के दौरान बाबूलाल और उसका बेटा सोनू (21) गंभीर घायल हो गए। दोनों को सूरजगढ़ के स्थानीय अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां सोनू को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद बाबूलाल को झुंझुनू के बीडीके अस्पताल रेफर किया गया जहां इलाज के दौरान बाबूलाल की मौत हो गई। इसके बाद गंभीर हालत में बाबूलाल की पत्नी सुनीता को जयपुर रेफर कर दिया गया। दोनों पक्षों के बीच जमीन बंटवारे का मामला 2014 से न्यायालय में विचाराधीन है। पुलिस आरोपी पक्ष को डिटेन किया है।

सूचना मिलने के बाद एसपी राजर्षि राज वर्मा भी अस्पताल पहुंचे। मामले में पांच लोगों को डिटेन किया है। वहीं घटना को लेकर जांच की जा रही है।

राजस्थान सरकार ने गांधी वाटिका न्यास कानून को निरस्त करने का फैसला किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। राजस्थान की भजनलाल सरकार ने महात्मा गांधी की जीवनी पर आधारित संग्रहालय 'गांधी वाटिका' के संचालन और प्रबंधन के लिए पिछली गहलोत सरकार द्वारा लाए गए गांधी वाटिका ट्रस्ट अधिनियम 2023 को निरस्त करने का फैसला किया है।

राज्य मंत्रिमंडल की मंगलवार को हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया। इसके साथ ही कोटा में 'ग्रीन फील्ड' हवाई अड्डा बनाने और किशनगढ़ सहित विभिन्न जगहों पर 'फ्लाइंग एकेडमी' खोलने समेत कई अन्य फैसले भी बैठक में किए गए। बैठक के बाद संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने संवाददाताओं को बताया कि इस बैठक में गांधी वाटिका ट्रस्ट अधिनियम को निरस्त करने का फैसला किया गया क्योंकि अधिनियम में कुछ खामियां थीं। उन्होंने कहा कि पिछली कांग्रेस सरकार ने गांधी वाटिका ट्रस्ट को ऐसे असीमित अधिकार दिए जिनकी जरूरत नहीं थी। उन्होंने कहा कि गांधी वाटिका का संचालन जारी रहेगा।

कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी एवं तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पिछले साल 23 सितंबर को जयपुर के सेंट्रल पार्क में बनी 'गांधी वाटिका' का लोकार्पण किया था। नई पीढ़ी को महात्मा गांधी के विचारों से परिचित कराने के लिए 85 करोड़ रुपए की लागत से यह गांधी वाटिका की विषय वस्तु गांधीवादी विचारकों की समिति के मार्गदर्शन में तैयार की गई है।

उद्योग मंत्री राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि कोटा में 'ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट' बनाया जाएगा तथा साथ ही किशनगढ़, भीलवाड़ा और झालावाड़ में फ्लाइंग स्कूल खोले जाएंगे और जयपुर में एयरपोर्ट के पास 'एयरोसिटी' विकसित की जाएगी।

अजमेर में श्वानों की हत्या की जांच के आदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर/एजेंसी। राजस्थान में पशुपालन विभाग के निदेशक एवं राज्य जीव जन्तु कल्याण बोर्ड के सदस्य सचिव डॉ भवानी सिंह राठौड़ ने अजमेर में श्वानों की कथित हत्या के मामले में जांच के आदेश दिये हैं।

अजमेर में श्वानों की हत्या का वीडियो वायरल होने के बाद बोर्ड के सदस्य मनीष सक्सेना की शिकायत पर राठौड़ ने अजमेर में संयुक्त निदेशक एवं सदस्य सचिव पशु क्रूरता निवारण समिति को इस मामले की जांच करके तथ्यात्मक रिपोर्ट भेजने के निर्देश दिये हैं।

उल्लेखनीय है कि अजमेर में तीन दिन पूर्व कुछ श्वान मृत मिले थे। क्षेत्रवासियों ने इनकी हत्या की आशंका प्रकट करते हुये विरोध भी किया। मामले का विडियो सोशल मीडिया के साथ ही स्थानीय न्यूज चैनल पर भी प्रसारित हुआ।

स्मार्टफोन को 'अनलॉक' करने वाले गिरोह का खुलासा, 250 से अधिक मोबाइल जब्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। जयपुर पुलिस ने स्मार्टफोन को 'अनलॉक' करने एवं 'आईएमईआई नंबर' को 'क्रैक' करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए चार लोगों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से 250 से अधिक मोबाइल जब्त किए हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

पुलिस उपायुक्त राशि डोगरा डूडी ने बताया कि कोतवाली थाना पुलिस ने विशेष टीम के साथ रायसर प्लाजा में कार्रवाई की और वहां से चार दुकानदारों- - अतुल गुप्ता, लोकेश गर्ग उर्फ लालू, गौतम सैनी उर्फ गोलू और महेश मुरजानी को गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि उनके पास से कंप्यूटर के साथ साथ 250 से अधिक पुराने फोन जब्त किए गए । उनके अनुसार उनके कंप्यूटर से 100 से अधिक मोबाइल के 'आईएमईआई नंबर' बदलने की जानकारी सामने आयी है।

डूडी ने बताया कि आरोपी विभिन्न सॉफ्टवेयर की मदद से स्मार्टफोन को 'अनलॉक' कर उसमें किसी पुराने मोबाइल नंबर के 'आईएमईआई नंबर' को 'इंस्टॉल' कर देते थे। उन्होंने बताया कि आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

ऋण पोर्टल का उद्घाटन

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने मंगलवार को शासन सचिवालय में वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए अनुजा निगम ऋण पोर्टल का उद्घाटन किया। अविनाश गहलोत ने कहा कि अनुजा निगम द्वारा रियायती ब्याज दर पर पांच श्रेणियों अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, सफाई कर्मचारी, दिव्यांगजन और अन्य पिछड़ा वर्ग के व्यक्तियों को हर साल ऋण उपलब्ध कराया जाता है। उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में 9400 व्यक्तियों को ऋण देने का लक्ष्य तय किया गया है। इसमें निगमों के माध्यम से 5400 और 4000 व्यक्तियों को बैंकों के माध्यम से ऋण दिलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति किसी भी स्थान से अपनी एसएसओ आईडी या ईमित्र के माध्यम से ऑनलाइन ही ऋण के लिए आवेदन कर सकता है। ऋण की राशि संबंधित व्यक्ति के खाते में सीधे डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित की जाएगी। यह पोर्टल 30 सितंबर 2024 तक खुला रहेगा।

राहुल के वक्तव्य के कई हिस्से हटाने के लिए भाजपा को मांगनी चाहिए माफी : डोटासरा

जयपुर/एजेंसी। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को लेकर दिए बयान पर पलटवार करते हुए कहा है कि राहुल गांधी ने जो मुद्दे संसद में उठाये वे सभी जनता के मुद्दे थे लेकिन नियमों और प्रक्रियाओं के विरूद्ध जाकर उनके वक्तव्य के कई हिस्से हटवा दिये गये। इसके लिये भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को देशवासियों से माफी मांगनी चाहिये।

डोटासरा ने मंगलवार को यहां प्रेस कांफ्रेंस में यह आरोप लगाते हुए कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के तौर पर राहुल गांधी ने जो मुद्दे संसद में उठाये वे सभी जनता के मुद्दे थे और जनता की आवाज बनकर उन्होंने देशवासियों का पक्ष तथा पिछले दस साल के मोदी सरकार के शासन की घटनायें संसद में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के समक्ष उठाने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के भाषण में एक भी शब्द ऐसा नहीं था जो संसदीय परम्पराओं के अनुकूल ना हो, प्रक्रिया एवं नियमों के विरूद्ध हो। उन्होंने कहा कि भाजपा का हमेशा से एजेन्डा रहा है कि विपक्ष के नेताओं के भाषण काट-छांट कर सोशल मीडिया पर चलाकर झूठे तथ्य फैलायें जायें किन्तु संसद में राहुल गांधी ने अपना वक्तव्य दिया और देशवासियों ने उनके भाषण की प्रशंसा की।

उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि राहुल गांधी जब अपना भाषण संसद में दे रहे थे उस वक्त देश के गृह मंत्री लोकसभा अध्यक्ष से नियमों की दुहाई देते हुये संरक्षण मांग रहे थे और रात को उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष पर दबाव बनाकर नियमों और प्रक्रियाओं के विरूद्ध जाकर राहुल गांधी के वक्तव्य के कई हिस्से हटवा दिये।

भारत-थाईलैंड संयुक्त सैन्य अभ्यास 'मैत्री' के लिए सेना की टुकड़ी थाईलैंड रवाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/एजेंसी। भारत-थाईलैंड संयुक्त सैन्य अभ्यास मैत्री के 13वें संस्करण में शिरकत करने के लिए भारतीय सेना की टुकड़ी सोमवार को थाईलैंड रवाना हुई।

सैन्य प्रवक्ता कर्नल अमिताभ शर्मा ने मंगलवार को बताया कि यह अभ्यास एक से 15 जुलाई तक थाईलैंड के टाक प्रांत के फोर्ट वाचिराप्राकन में आयोजित किया जा रहा है। इसी अभ्यास का पिछला संस्करण सितंबर 2019 में मेघालय के उमरोई में आयोजित किया गया था। उन्होंने बताया कि भारतीय सेना की टुकड़ी में 76 कर्मी शामिल हैं। इनमें मुख्य रूप से लद्दाख स्काउट्स की एक बटालियन के साथ-साथ अन्य शाखाओं और सेवाओं के कर्मी शामिल हैं। रॉयल थाईलैंड आर्मी की टुकड़ी में भी 76 कर्मी शामिल हैं, जिनमें मुख्य रूप से चार डिवीजन की 14 इन्फैंट्री रेजिमेंट की पहली बटालियन शिरकत कर रही है।

कर्नल शर्मा ने बताया कि मैत्री अभ्यास का उद्देश्य भारत और थाईलैंड के बीच सैन्य सहयोग को प्रोत्साहन देना है। यह अभ्यास जंगल और शहरी वातावरण में उग्रवाद और आतंकवाद से निपटने के लिए अभियानों को अंजाम देने में संयुक्त क्षमताओं को बढ़ायेगा। उन्होंने बताया कि यह अभ्यास उच्च स्तर की शारीरिक क्षमता, संयुक्त योजना और संयुक्त सामरिक अभ्यास पर केंद्रित होगा।

कर्नल शर्मा ने बताया कि इस दौरान किये जाने वाले सामरिक अभ्यासों में संयुक्त अभियान केंद्र का निर्माण, खुफिया और निगरानी केंद्र की स्थापना, ड्रोन और जवाबी ड्रोन प्रणाली का इस्तेमाल, उनके उतरने के स्थल की सुरक्षा, छोटे दल का प्रवेश और निकासी, हेलीकाप्टर से सैनिक उतारकर किये जाने वाले अभियान, लक्ष्य को घेरकर उसकी तलाशी अभियान और अवैध संरचनाओं को नष्ट करना शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि मैत्री अभ्यास से दोनों पक्षों को संयुक्त अभियानों के संचालन के लिये रणनीति, तकनीक और प्रक्रियाओं में अपने सर्वोत्तम अभ्यासों को साझा करने का अवसर मिलेगा। यह अभ्यास दोनों देशों के सैनिकों के बीच अंतर-संचालन और आपसी सौहार्द विकसित करने में सहायक होगा।

70 फीट गहरे कुएं में गिरा तेंदुआ, वन विभाग की टीम तेंदुए को बाहर निकाल पाने में नाकामयाब

पाली/एजेंसी। पाली जिले के देसूरी उपखंड के बडोद गांव के बेरा हनुमानजी वाला में एक लेपर्ड 70 फीट गहरे सूखे कुएं में गिर गया। यह लेपर्ड शिकार की तलाश में इस सूखे कुएं में गिर गया, जिसके रेस्क्यू के लिए जोधपुर माचिया पार्क से टीम बुलाई गई। कुएं में पिंजरा उतारा गया, लेकिन लेपर्ड पिंजरे से दूर भाग रहा है। ऐसे में तीन दिन से कुएं में वो फंसा हुआ है, जिसका फिलहाल रेस्क्यू जारी है। अभी तक वन विभाग की टीम कुएं से लेपर्ड को बाहर निकाल पाने में कामयाब नहीं हो पाई है। शिकार की तलाश में भटक रहा एक लेपर्ड करीब तीन दिन पहले कुएं में गिर गया। कुएं से गुर्राने की आवाज सुन किसान ने देसूरी वन विभाग के अधिकारियों को इसकी सूचना दी। टीम मौके पर पहुंची, लेकिन लेपर्ड सूखे कुएं में बनी 6-7 फीट की गुफा में जाकर छुप गया। उसके रेस्क्यू के लिए जोधपुर माचिया पार्क से शूटर बंशीलाल सांखला, रामरतन विश्नोई के नेतृत्व में टीम पहुंची। लेकिन लेपर्ड कुएं में उतारे गए पिंजरे में नहीं आया, जिसके चलते लगातार वन विभाग की टीम मशक्कत करती रही।

नए जिलों के पुनर्गठन पर समिति को 15 दिन में रिपोर्ट देने का निर्देश

जयपुर/भाषा। राजस्थान के उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने निर्देश दिए हैं कि नए जिलों के पुनर्गठन के लिए गठित उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समिति सभी व्यावहारिक बिंदुओं पर अपनी रिपोर्ट 15 दिन में प्रस्तुत करे। बैरवा ने स्पष्ट किया कि नए जिलों के गठन का मूल उद्देश्य राजनीति से प्रेरित ना होकर जनहित आधारित होना चाहिये। बैरवा सोमवार को सचिवालय में राजस्व विभाग के साथ आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि नए जिलों के पुनर्गठन की प्रक्रिया आम जनता की सुविधा, आधारभूत सुविधाओं की उपलब्धता, भौगोलिक स्थिति, जनसंख्या आदि को ध्यान में रखते हुए की जाए। इस अवसर पर जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी, राजस्व मंत्री हेमंत मीना, राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव दिनेश एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

अवलोकन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे के साथ मंगलवार को नई दिल्ली के शास्त्री भवन में पीएमकेकेकेवाई के अंतर्गत जिला खनिज फाउंडेशन (डीएमएफ) द्वारा समर्थित स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के उत्पादों पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

संवाद, अच्छे व्यवहार से हर समस्या का होगा समाधान : आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को भारतीय प्रशासनिक सेवा में चयनित प्रशिक्षु अफसरों (2023 बैच) से मुलाकात की और शुभकामनाएं देते हुए उनका मार्गदर्शन किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संवाद, अच्छा व्यवहार और अपने कार्यों में शुचिता बनाए रखें, इससे हर समस्याओं का समाधान होगा। एक बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, लोकतंत्र में संवाद सबसे बड़ी ताकत है। क्षेत्र में जब भी जाएं तो आमजन से संवाद करें। संवाद शून्य होने से लोगों में असंतोष बढ़ता है। उनसे अच्छा व्यवहार करें और कार्यों में शुचिता बरकरार रखें।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, ऐसा करने से आपकी छवि एक दम अलग और अतुलनीय बनेगी। आम आदमी की किसी भी समस्या को छोटी न समझें, क्योंकि पीड़ित के लिए वह समस्या काफी मायने रखती है। उन्होंने कहा, समस्या का समाधान कर एक अधिकारी आमजन का विश्वास हासिल कर लेता है। किसी भी समस्या को बड़ी न बनने दें, बल्कि संवाद के जरिए उसका तत्काल समाधान निकालें। प्रशिक्षु अधिकारी जनप्रतिनिधियों से भी संवाद स्थापित करें।

आदित्यनाथ ने कहा, शिकायत टालने की आदत से असंतोष पैदा होता है। यह ठीक नहीं होती। समय पर निर्णय लेने की आदत डालें। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन की शिकायत सीधे हमारे पास इसलिए आती हैं क्योंकि सुनवाई स्थानीय स्तर पर ठीक से नहीं होती। इसलिए पीड़ित की सुनवाई करें और समयसीमा के भीतर समस्याओं का निस्तारण भी करें। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन एक घंटा जनता की समस्याएं सुनें और जनप्रतिनिधियों तथा स्थानीय संगठनों के साथ भी संपर्क स्थापित करें।

पूर्वी कोलकाता के धापा में मोटर तेल कारखाने में आग लगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पूर्वी कोलकाता के धापा इलाके में एक मोटर तेल कारखाने में मंगलवार को आग लग गई। अग्निशमन विभाग के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि आग पर काबू पाने के लिए दमकल की कम से कम 20 गाड़ियों को लगाया गया। अधिकारी ने बताया कि पूर्वी कोलकाता में धापा रोड स्थित मोटर तेल कारखाने में आग लगने की सूचना पूर्वाह्न 11 बजकर 25 मिनट पर मिली। आग पर अपराह्न दो बजे काबू पा लिया गया। उन्होंने बताया कि आग में कोई भी हताहत नहीं हुआ है और आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

ओडिशा के मुख्यमंत्री ने रथयात्रा के लिए दो दिन के अवकाश की घोषणा की

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने मंगलवार को सात और आठ जुलाई को रथयात्रा के लिए दो दिवसीय अवकाश की घोषणा की, जो 53 वर्षों के बाद एक विशेष अवसर है। पुरी में भगवान जगन्नाथ और उनके भाई-बहन की वार्षिक रथयात्रा की तैयारियों की समीक्षा के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए माझी ने इस दो दिवसीय विशेष उत्सव के महत्व पर प्रकाश डाला, जो पिछली बार 1971 में मनाया गया था। उन्होंने इस आयोजन के शुभ समय पर होने को लेकर जोर दिया जो नवगठित भाजपा सरकार के कार्यकाल के साथ मेल खाता है। मुख्यमंत्री ने कहा, ''चूंकि रथयात्रा दो दिन तक चलेगी, इसलिए मैं संबंधित अधिकारियों को इन दो दिनों के लिए सार्वजनिक अवकाश घोषित करने का निर्देश देता हूं।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू रथ यात्रा समारोह में भाग लेंगी। उनके छह जुलाई की शाम को पुरी पहुंचने और सात जुलाई को उत्सव में भाग लेने की उम्मीद है।

असम में बाढ़ से 6.71 लाख लोग प्रभावित, 13 मछुआरों को वायुसेना ने बचाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम में बाढ़ की स्थिति मंगलवार को भी गंभीर बनी रही और इस साल बाढ़ की दूसरी लहर में 20 जिलों में 6.71 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। भारतीय वायुसेना (आईएएफ) ने गंभीर रूप से प्रभावित डिब्रूगढ़ जिले से 13 फंसे हुए मछुआरों को बचाया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। एक आधिकारिक बुलेटिन में कहा गया है कि ब्रह्मपुत्र सहित कम से कम 13 प्रमुख नदियां विभिन्न स्थानों पर खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं तथा कई जिलों में भारी से बहुत भारी वर्षा की चेतावनी जारी की गई है।

असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के अनुरोध पर डिब्रूगढ़ के हटिया अली से बाढ़ के पानी में फंसे मछुआरों को बचाया गया। अधिकारी ने कहा, 'एएसडीएमए ने भारतीय वायुसेना से फंसे हुए 13 मछुआरों को हवाई मार्ग से बाहर निकालने का अनुरोध किया। इसका सारा खर्च एएसडीएमए द्वारा वहन किया जाएगा।' भारतीय वायुसेना ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर बचाव अभियान से संबंधित तस्वीरें साझा करते हुए लिखा: वायुसेना ने असम के डिब्रूगढ़ के उत्तर में बाढ़ग्रस्त ब्रह्मपुत्र के एक छोटे से द्वीप से 13 लोगों को बचाया। दो जुलाई 2024 को सूर्योदय के बाद, एएफएस मोहनबाड़ी से एक एमआई-17 खत हेलीकॉप्टर ने चुनौतीपूर्ण मौसम की स्थिति में उड़ान भरी और दलदली भूमि से बचाव अभियान चलाया। इसमें कहा गया है कि पायलट और फ्लाइट गनर के समन्वित प्रयासों से 13 बचे लोगों को शीघ्र और सुरक्षित विमान में चढ़ाना सुनिश्चित हुआ। वायुसेना ने कहा कि बचाव के बाद मछुआरों को आपातकालीन प्राथमिक उपचार प्रदान किया गया। इससे पहले रविवार को, भारतीय वायुसेना ने धेमाजी जिले के जोनाई से राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) के आठ कर्मियों और एक राजस्व अधिकारी को बचाया था। ये लोग राहत अभियान के दौरान चार इलाके में फंस गए थे। बाढ़ की मौजूदा लहर में डिब्रूगढ़ जिला बुरी तरह प्रभावित हुआ है और ऊपरी असम का यह प्रमुख शहर लगातार छह दिन से जलमग्न है। एएसडीएमए के बुलेटिन में कहा गया है कि 20 जिलों में 6,71,167 लोग बाढ़ के पानी से प्रभावित हैं। पिछले 24 घंटों में एक व्यक्ति की मौत की पुष्टि के साथ ही इस वर्ष राज्य में बाढ़, तूफान और भूस्खलन में मरने वालों की संख्या बढ़कर 46 हो गई है। ब्रह्मपुत्र नदी नेमाटीघाट (जोरहाट), तेजपुर (सोनितपुर), गुवाहाटी (कामरूप) और धुबरी में खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। बदतीघाट (लखीमपुर) में सुबनसिरी, चेनिमारी (डिब्रूगढ़) में बुरहीडीहिंग, शिवसागर में दिखौ, नंगलामुराघाट (शिवसागर) में दिसांग, नुमाकीगढ़ (गोलाघाट) में धनसिरी, एनटी रोड क्रॉसिंग (सोनितपुर) में जिया-भराली, कामपुर (नागांव) में कोपिली, एनएच रोड क्रॉसिंग (कामरूप) में पुथिमारी, बारपेटा रोड ब्रिज पर बेकी, (हैलाकांडी) में धलेश्वरी, करीमगंज में कुशियारा, और बीपी घाट पर बराक नदी खतरे के निशान को पार कर गई है।

मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को कहा था कि डिब्रूगढ़ में स्थिति गंभीर है, क्योंकि ब्रह्मपुत्र नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है और मशीनें शहर से पानी नहीं निकाल सकतीं। अरुणाचल प्रदेश में लगातार बारिश के बाद रविवार से राज्य में बाढ़ की स्थिति गंभीर हो गई। बाढ़ की वजह से कुल 8,142 विस्थापित लोग 72 राहत शिविरों में शरण लिए हुए हैं। गोलाघाट जिले में राहत कार्यों में भारतीय सेना के जवानों को भी लगाया गया है। एक सौ 59 गोताखोरों सहित कुल 614 राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) कर्मियों को 295 नावों के साथ 54 स्थानों पर तैनात किया गया है। पिछले 24 घंटों में गोलाघाट, जोरहाट, नगांव और माजुली में तटबंधों के टूटने की खबरें मिली हैं।

बंगाल विस अध्यक्ष ने 'भीड़ द्वारा हत्या' संबंधी विधेयक पर हस्ताक्षर न करने के लिए राजभवन की आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल विधानसभा अध्यक्ष बिमान बनर्जी ने 2019 में सदन द्वारा पारित उस विधेयक पर हस्ताक्षर नहीं करने के लिए मंगलवार को राजभवन की आलोचना की, जिसका उद्देश्य भीड़ द्वारा हत्या को रोकना और अपराध में शामिल लोगों को दंडित करना है। उनकी यह टिप्पणी राज्य में हाल में भीड़ द्वारा चार लोगों को पीट-पीट कर मार डालने की घटनाओं के बाद आई है।

अगस्त 2019 में विधानसभा ने वामपंथी और कांग्रेस विधायकों के समर्थन से पश्चिम बंगाल (भीड़ हत्या रोकथाम) विधेयक पारित किया था। उस समय केवल तीन विधायकों वाली भाजपा ने न तो विधेयक का समर्थन किया और न ही इसका विरोध किया। विधेयक पारित होने के बावजूद तत्कालीन राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने विधेयक पर हस्ताक्षर नहीं किए और इसे पुनर्विचार के लिए विधानसभा को वापस नहीं भेजा गया। विधानसभा अध्यक्ष ने संवाददाताओं से कहा, विधेयक पर राज्यपाल को हस्ताक्षर करना चाहिए था। अगर ऐसा होता, तो शायद हमें पश्चिम बंगाल में भीड़ द्वारा हत्या की घटनाएं नहीं देखनी पड़तीं, क्योंकि इससे रोकथाम होती। विधेयक में अपराध की गंभीरता के आधार पर मृत्युदंड तथा तीन वर्ष से लेकर आजीवन कारावास तक की सजा का प्रावधान है।

बिमान बनर्जी ने कहा, राज्यपाल विधेयक पर हस्ताक्षर कर सकते हैं, हस्ताक्षर नहीं कर सकते हैं या उसे विधानसभा में वापस भेज सकते हैं। लेकिन इनमें से कुछ भी नहीं हुआ। यहां तक ङ्क्षक सरकारिया आयोग ने भी कहा है कि किसी विधेयक को अनिश्चितकाल तक रोके रखना उसके उद्देश्य को कमजोर करता है।

चिराग पासवान के लोकसभा सदस्य के रूप में निर्वाचन को चुनौती देने के लिए याचिका दाखिल

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि बिहार की हाजीपुर लोकसभा सीट से लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान के निर्वाचन को पटना उच्च न्यायालय में चुनौती दी जानी चाहिए। हालांकि, अदालत ने इस मुद्दे पर एक चुनाव याचिका 28 अगस्त को सुनवाई के लिये सूचीबद्ध की है। न्यायमूर्ति विकास महाजन ने याचिकाकर्ता के वकील से कहा, यह इस उच्च न्यायालय में कैसे सुनवाई योग्य है? निर्वाचन क्षेत्र बिहार राज्य में है। आपके लिए बेहतर है कि आप (याचिका) वापस लें और उस उच्च न्यायालय के पास जाएं, जिसके अधिकार क्षेत्र में यह है। न्यायाधीश ने सुनवाई के दौरान मौखिक रूप से कहा, यह इस अदालत के अधिकार क्षेत्र में नहीं है। अपनी याचिका में याचिकाकर्ता ने दावा किया कि वह प्रिंस राज और उनके सहयोगियों के कहने पर कथित यौन उत्पीड़न की शिकार हुईं, जिनमें उनके चचेरे भाई (चिराग) पासवान भी शामिल थे और उन्होंने लोकसभा चुनाव के लिए नामांकन पत्र दाखिल करते समय इस आपराधिक पृष्ठभूमि का खुलासा नहीं किया था। याचिका में बताया गया कि कथित यौन उत्पीड़न के संबंध में 2021 में एक प्राथमिकी दर्ज कराई जा चुकी है। याचिका में कहा गया है कि गलत हलफनामा दाखिल करना या आपराधिक मामलों के संबंध में हलफनामे में कोई जानकारी छुपाना जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 125ए का उल्लंघन है और इसके लिए छह महीने की कैद का प्रावधान है।

सड़कें डूबने से जूनागढ़ के 30 गांवों का सम्पर्क टूटा

जूनागढ़/भाषा। गुजरात के जूनागढ़ जिले में भारी बारिश के कारण करीब 30 गांवों का संपर्क टूट गया है, क्योंकि इन गांवों तक जाने वाली सड़कें जलमग्न हो गई हैं। जिले के वंथली में मंगलवार सुबह समाप्त हुए पिछले 24 घंटे की अवधि में 361 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। यह जानकारी अधिकारियों ने दी।

अधिकारियों ने बताया कि राज्य के सौराष्ट्र और दक्षिण क्षेत्र के दस तालुकों में 24 घंटे की अवधि में 200 मिलीमीटर से अधिक बारिश हुई, जिसके परिणामस्वरूप निचले इलाके जलमग्न हो गए। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) ने एक बयान में कहा कि उसने जूनागढ़ जिले के केशोद में एक दल भेजा है, ताकि संपर्क टूट जाने के कारण फंसे लोगों की मदद की जा सके।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, भारी बारिश के कारण जूनागढ़ जिले के करीब 30 गांवों का संपर्क टूट गया है क्योंकि उन्हें जोड़ने वाली सड़कें जलमग्न हो गई हैं। अधिकारी ने बताया कि जिले के प्रभावित तालुका केशोद, माणावदर और वंथली हैं। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (एसईओसी) द्वारा साझा किए गए आंकड़े के अनुसार, जूनागढ़ में वंथली तालुका में सुबह 6 बजे समाप्त हुए पिछले 24 घंटे की अवधि में 361 मिलीमीटर बारिश हुई।

शिवसेना (यूबीटी) ने विधान परिषद चुनाव में उद्धव के सहयोगी मिलिंद नार्वेकर को मैदान में उतारा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। शिवसेना (यूबीटी) ने विधान परिषद की 11 सीट के लिए होने वाले द्विवार्षिक चुनाव में पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे के करीबी सहयोगी मिलिंद नार्वेकर को मंगलवार को मैदान में उतारा है, जिससे चुनावी रण में उम्मीदवारों की संख्या 12 हो गई। सभी उम्मीदवारों - सत्तारूढ़ महायुति के नौ और विपक्षी महा विकास आघाडी (एमवीए) के तीन प्रत्याशियों - ने मंगलवार को अपने नामांकन पत्र दाखिल किए।

विधान परिषद के इस चुनाव में विधानसभा के सदस्य मतदान करेंगे। महाराष्ट्र विधानसभा में फिलहाल 274 सदस्य हैं और 14 रिक्तियां हैं। एक उम्मीदवार को जीतने के लिए 23 वोट की जरूरत है। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पूर्व मंत्री पंकजा मुंडे, अमित गोरखे, सदाभाऊ खोत, योगेश तिलेकर को टिकट दिया है तथा परिणय फुके को दोबारा उम्मीदवार बनाया है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने पूर्व सांसद कृपाल तुमाने और भावना गवली को मैदान में उतारा है, जबकि उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने राजेश विटेकर और शिवाजीराव गर्जे पर भरोसा जताया है।

मुंबई के पासपोर्ट सेवा केंद्रों से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में सीबीआई ने 1.59 करोड़ रु जब्त किये

नई दिल्ली/भाषा। सीबीआई ने मुंबई के पासपोर्ट सेवा केंद्रों से जुड़े भ्रष्टाचार गिरोह का भंडाफोड़ करने के बाद तीन दिन तक चले तलाशी अभियान में 1.59 करोड़ रुपये नकद और अहम डिजिटल सबूत जब्त किये हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। लोअर परेल और मलाड के पासपोर्ट सेवा केंद्रों के 14 अधिकारियों और 18 दलालों तथा बिचौलियों के खिलाफ 28 जून को 12 मामले दर्ज करने के बाद सीबीआई ने मुंबई और नासिक में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया जो सोमवार तक जारी रहा। नकदी के अलावा सीबीआई को पांच डायरी मिली हैं जिनमें लेनदेन के कथित विवरण और रिश्वतखोरी गिरोह के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी निहित है। जांच एजेंसी ने आरोप लगाया है कि भ्रष्टाचार में कई आरोपी अधिकारी और बिचौलिए लिप्त थे जिससे अधूरे दस्तावेजों के आधार पर पासपोर्ट जारी करने की अनुमति दी गई या पासपोर्ट आवेदकों के विवरण में हेरफेर किया गया।

राहुल का मोदी को पत्र, 'नीट' पर संसद में आज चर्चा का आग्रह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर आग्रह किया कि मेडिकल प्रवेश परीक्षा 'नीट' में कथित अनियमितता के मुद्दे पर सदन में चर्चा कराई जाए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) पर चर्चा कराने के विपक्ष के अनुरोध को गत 28 जून और बीते सोमवार को ठुकरा दिया गया था, लेकिन लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विपक्ष को आश्वासन दिया था कि वह सरकार के साथ इस मामले पर चर्चा करेंगे।

गांधी ने मंगलवार को प्रधानमंत्री को लिखे अपने पत्र में कहा, मैं 'नीट' पर संसद में चर्चा का अनुरोध करते हुए यह पत्र लिख रहा हूं। उन्होंने कहा, ''इस समय, हमारी एकमात्र चिंता पूरे भारत में लगभग 24 लाख 'नीट' उम्मीदवारों का कल्याण है।'' कांग्रेस नेता ने कहा, 2नीट' परीक्षा तत्काल ध्यान देने योग्य है, क्योंकि इसने हमारी उच्च शिक्षा प्रणाली में गहरी समस्या को उजागर किया है। पिछले सात वर्षों में 70 से अधिक पेपर लीक हुए हैं, जिससे 2 करोड़ से अधिक छात्र प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा, ''हमारे छात्रों को जवाब मिलना चाहिए। संसद में चर्चा उनके विश्वास को बहाल करने की दिशा में पहला कदम होगा।''

'आबकारी घोटाला' : केजरीवाल की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका पर अदालत ने सीबीआई से जवाब मांगा

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय ने मंगलवार को सीबीआई से मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की उस याचिका पर जवाब मांगा, जिसमें उन्होंने 'आबकारी नीति घोटाले' से संबंधित भ्रष्टाचार के मामले में उनकी गिरफ्तारी को चुनौती दी है। न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को नोटिस जारी कर सात दिन में जवाब दाखिल करने को कहा।

उच्च न्यायालय ने कहा कि केजरीवाल के वकील दो दिन के भीतर यदि कोई प्रत्युत्तर हो तो दाखिल कर सकते हैं। अदालत ने दलीलें सुनने के लिये मामले को 17 जुलाई को सूचीबद्ध किया है। गिरफ्तारी के अलावा, आप के राष्ट्रीय संयोजक ने अधीनस्थ अदालत के 26 जून और 29 जून के आदेशों को भी चुनौती दी है, जिसके तहत उन्हें क्रमश: तीन दिन की सीबीआई हिरासत और 12 जुलाई तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था।

केजरीवाल भ्रष्टाचार मामले में जल्द ही नियमित जमानत याचिका दायर करेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उच्च न्यायालय को बताया गया

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल कथित आबकारी घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में जल्द ही नियमित जमानत के लिए याचिका दायर करेंगे। उनके वकील ने मंगलवार को दिल्ली उच्च न्यायालय को यह जानकारी दी।

इस बीच, उच्च न्यायालय ने सीबीआई से मुख्यमंत्री की उस याचिका पर जवाब मांगा, जिसमें उन्होंने 'आबकारी नीति घोटाले' से संबंधित भ्रष्टाचार के मामले में उनकी गिरफ्तारी को चुनौती दी है। न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा ने सीबीआई को नोटिस जारी कर सात दिन में जवाब दाखिल करने को कहा। उच्च न्यायालय ने कहा कि यदि कोई प्रत्युत्तर हो तो केजरीवाल के वकील दो दिन के भीतर उसे दाखिल कर सकते हैं। अदालत ने दलीलें सुनने के लिये मामले को 17 जुलाई के लिए सूचीबद्ध किया है। गिरफ्तारी के अलावा, आप के राष्ट्रीय संयोजक ने अधीनस्थ अदालत के 26 जून और 29 जून के आदेशों को भी चुनौती दी है, जिसके तहत उन्हें क्रमश: तीन दिन की सीबीआई हिरासत और 12 जुलाई तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था। केजरीवाल (55) को सीबीआई ने 26 जून को तिहाड़ जेल से गिरफ्तार किया था। वह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दर्ज धन शोधन के एक मामले में वहां न्यायिक हिरासत में थे। केजरीवाल का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने बताया कि अगस्त 2022 में सीबीआई द्वारा एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी और उन्हें अप्रैल 2023 में जांच एजेंसी द्वारा तलब किया गया था और नौ घंटे पूछताछ की गई थी। वरिष्ठ अधिवक्ता ने कहा, अप्रैल 2023 से अब तक कोई समन या पूछताछ नहीं हुई और अब उन्हें 26 जून को सीबीआई ने गिरफ्तार कर लिया है। सीबीआई ने गिरफ्तारी ज्ञापन/ गिरफ्तारी के आधार में कोई नया सबूत या सामग्री नहीं बताई है, जिससे उनकी गिरफ्तारी को उचित ठहराया जा सके, जबकि वह (ईडी के धन शोधन मामले में) न्यायिक हिरासत में थे।

पौधरोपण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (स्वतंत्र प्रभार), पृथ्वी विज्ञान (स्वतंत्र प्रभार), प्रधानमंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह नई दिल्ली में राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में पौधारोपण करते हुए।

सुविचार

फिर से प्रयास करने से कभी मत घबराना क्योंकि, इस बार शुरुआत शून्य से नहीं अनुभव से होगी!

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

इन हादसों को कैसे टालें?

उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में सत्संग के दौरान भगदड़ मचने से कई लोगों की मौत होने की घटना अत्यंत दु:खद एवं दुर्भाग्यपूर्ण है। इस कार्यक्रम में जितनी भीड़ उमड़ी, क्या जिला प्रशासन और आयोजकों ने इस बिंदु को ध्यान में नहीं रखा था कि इतने लोगों को कैसे नियंत्रित करेंगे? आज कार्यक्रमों में ज्यादा लोगों को बुलाना कोई मुश्किल काम नहीं है, खासकर धार्मिक कार्यक्रमों में। सोशल मीडिया पर एक अपील करेंगे तो धर्मप्रेमी जनता आ जाएगी और अपनी ओर से कुछ सहयोग भी करेगी। मुश्किल है- पर्याप्त इंतजाम करना और बड़ी संख्या में उमड़े लोगों को अनुशासन में रखना। हाल के वर्षों में सामाजिक या धार्मिक कार्यक्रमों में जितने भी बड़े हादसे हुए, उनका विश्लेषण किया जाए तो पाएंगे कि समय रहते कुछ बिंदुओं की ओर ध्यान देते तो अप्रिय घटनाओं को होने से टाल सकते थे। प्राय: आयोजकों का ध्यान इस बात पर होता है कि कार्यक्रम को भव्य और यादगार बनाया जाए ... इसमें ज्यादा से ज्यादा लोग आएं। ऐसा सोचना ग़लत भी नहीं है। जब कार्यक्रम के आयोजन पर संसाधन खर्च हो रहे हैं तो उसका लाभ ज्यादा लोगों को जरूर मिलना चाहिए, लेकिन इसमें सुरक्षा के पहलू को नहीं भूलना चाहिए। कार्यक्रम से पहले और बाद में मौसम कैसा रहेगा, आने-जाने के लिए कितने रास्ते हैं, बिजली-पानी की कैसी व्यवस्था है, बिजली के तार और उपकरण किस हालत में हैं, जहां आयोजन हो रहा है वहां जमीन कैसी है, अगर छत पर आयोजन कर रहे हैं या लोग किसी भवन की छत पर बैठेंगे तो वह उनका भार वहन करने की स्थिति में है या नहीं, अग्निशमन यंत्रों की कैसी व्यवस्था है, एंबुलेंस/चिकित्सा व्यवस्था कैसी है, अगर गैस सिलेंडर/स्टोव आदि का उपयोग हो रहा है तो आयोजन स्थल से कितनी दूरी है, कार्यक्रम संपन्न होने के बाद जब लोग वापस जाएंगे तो निकलने के लिए जगह कितनी है, वाहनों को कैसे निकाला जाएगा, आस-पास कहीं ट्रांसफार्मर, गहरा जलस्रोत, रेल की पटरियां तो नहीं हैं ... ये कुछ बिंदु हैं, जिन पर विचार करते हुए कार्यक्रम की योजना बनाएं तो हादसों को काफी हद तक टाल सकते हैं।

हमारे देश में ऐसे कई हादसे हो चुके हैं, जिनमें कुछ लोगों की जल्दबाजी/भगदड़/धक्का-मुक्की अन्य लोगों की जान पर भारी पड़ी। श्रीलंका, पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान और नेपाल में भी भगदड़ से संबंधित बड़े हादसे हो चुके हैं। कुछ लोग इतनी जल्दबाजी क्यों करते हैं? वे भगदड़ क्यों मचाते हैं? यह निश्चित रूप से अनुशासन की कमी को भी दर्शाता है। अगर स्कूलों को ही देखें तो ऐसे कई विद्यार्थी हैं, जो छुट्टी की घंटी बजने से ठीक पहले बिल्कुल 'हाई अलर्ट' पर रहते हैं। उनमें सबसे पहले स्कूल से 'निकल भागने' की प्रवृत्ति होती है। बसों और ट्रेनों में भी ऐसे बहुत लोग मिल जाएंगे, जो उस वाहन के अंतिम गंतव्य तक पहुंचते ही हड़बड़ी मचा देते हैं, सबसे पहले निकल भागने के लिए धक्का-मुक्की करने पर उतर आते हैं। सिनेमा घरों में जैसे ही फिल्म पूरी होती है, कुछ लोग इस ताक में रहते हैं कि वे सबसे पहले दरवाजे तक पहुंचें और गजब की फुर्ती दिखाते हुए बाहर निकल जाएं। शायद इससे उन्हें यह एहसास होता है कि उन्होंने कोई किला फतह कर लिया या किसी कैदखाने से जान छुड़ा ली! जिस जगह इतने घंटे बिता दिए, वहां कुछ समय और अनुशासन बनाए रखेंगे तो क्या बिगड़ जाएगा? बच्चों को स्कूली पढ़ाई के दौरान ही यह बात समझानी होगी कि जल्दबाजी/भगदड़/धक्का-मुक्की से समय की बचत नहीं होती, बल्कि अपनी या किसी और की जान संकट में होती है। भारत में किसी भी कार्यक्रम में, जहां बड़ी संख्या में लोग इकट्ठे हों, उनका ध्यान इस ओर दिलाना चाहिए कि जाने-अनजाने में कुछ लम्हों की जल्दबाजी बड़े हादसे में तब्दील हो सकती है, लेकिन हम अपने विवेक एवं अनुशासन से इसे टालकर आयोजन को सुंदर बना सकते हैं।

ट्वीटर टॉक

अब पूरा वामपंथी तंत्र यह कहने में लग जाएगा कि प्रधानमंत्री को नेता प्रतिपक्ष के लिए बच्चा, बालक बुद्धि आदि का प्रयोग नहीं करना चाहिए। वो यह नहीं बताएँगे कि कल राहुल गाँधी ने क्या किया, आज पूरे विपक्ष ने क्या बोला। वो अपने असफल राजकुमार के लिए 'सम्मान की भीख' माँगते रहेंगे। अब पूरा वामपंथी तंत्र यह कहने में लग जाएगा कि प्रधानमंत्री को नेता प्रतिपक्ष के लिए बच्चा, बालक बुद्धि आदि का प्रयोग नहीं करना चाहिए। वो यह नहीं बताएँगे कि कल राहुल गाँधी ने क्या किया, आज पूरे विपक्ष ने क्या बोला। वो अपने असफल राजकुमार के लिए 'सम्मान की भीख' माँगते रहेंगे।

– अजीत पंवार

प्रेरक प्रसंग

अपनी बुराई सुनकर परेशान नहीं होना चाहिए

एक लोक कथा के अनुसार पुराने समय में एक संत अपने शिष्य के साथ एक गांव में रुके। कुछ ही दिनों संत की ख्याति आसपास के क्षेत्र में फैल गई। अब उनके प्रवचन सुनने और दर्शन करने के लिए दूर-दूर से लोग आने लगे। ये देखकर उसी गांव का एक अन्य पंडित परेशान हो गया। उसे लगने लगा कि इस संत की वजह से मेरे भक्त कम हो जाएंगे। मेरा जीवन यापन कैसे होगा? पंडित ने संत का दुष्प्रचार करना शुरू कर दिया। वह लोगों के सामने उस संत की बुराई करता था। एक दिन संत के शिष्य को ये सारी बातें मालूम हुईं तो उसे बहुत गुस्सा आया। वह तुरंत ही अपने गुरु के पास पहुंचा और पूरी बात बताई। संत ने शिष्य की बातें सुनी और कहा कि उसे छोड़ों। अगर मैं उस पंडित से वाद-विवाद करूंगा तो इससे ये सब बातें फैलना बंद नहीं होंगी। इसीलिए उसकी बातें पर ध्यान नहीं देना चाहिए। संत ने देखा कि शिष्य का क्रोध शांत नहीं हुआ है। तब उन्होंने कहा कि जब जंगल का हाथी गांव में आता है तो उसे देखकर सभी कुत्ते भौंकने लगते हैं, लेकिन हाथी पर इसका कोई असर नहीं होता है। हाथी अपनी मस्त चाल चलते रहता है। कुत्ते भौंकते हुए थक जाते हैं और वापस अपने इलाके की ओर भाग जाते हैं। हमें भी अपनी बुराई करने वालों के साथ इसी तरह पेश आना चाहिए। हमें सिर्फ अपना काम ईमानदारी से करना चाहिए और सत्य के मार्ग पर आगे बढ़ते रहना चाहिए। हमारे अच्छे काम ही ऐसे लोगों का मुंह बंद कर सकते हैं।

सामयिक

जानलेवा बीमारियों का घर है प्लास्टिक

डॉ. प्रितम भि. गेडाम
मोबाइल : 82374 17041

पृथ्वी पर मानव ने अपनी सुविधा के लिए नवनवीन आविष्कार किये, परंतु जरूरत से ज्यादा प्राकृतिक संसाधनों का दोहन हुआ, आज अपने सुख के लिए मानव प्रकृति के साथ खिलवाड़ करके पृथ्वी को नष्ट करने पर तुला है, जबकि पृथ्वी पर मानव अस्तित्व के साथ ही सम्पूर्ण जीवसृष्टि के लिए भी धोखा निर्माण हो गया है, तेजी से बदलता जलवायु परिवर्तन मानव निर्मित कारणों का नतीजा है। अमेरिका के स्वतंत्र अनुसंधान संस्थान हेल्थ इफेक्ट्स इंस्टिट्यूट की रिपोर्ट ने बताया कि 2021 में 81 लाख मौतें वायु प्रदूषण के कारण हुईं, भारत में 21 लाख और चीन में 23 लाख मौत के लिए वायु प्रदूषण जिम्मेदार है, मौतों का यह आंकडा बहुत ही ज्यादा है। वायु प्रदूषण के साथ ही जल प्रदूषण, प्लास्टिक प्रदूषण, मृदा प्रदूषण, ई-कचरा, जैव-चिकित्सा अपशिष्ट, घातक रसायनों का प्रयोग, लाखों लोगों को हर साल घातक बीमारियों से जकड़कर असमायिक मौत दे रहे हैं। प्रदुषण से पशु-पक्षी, वन्यजीव, समुद्रजीव तेजी से ख़त्म हो रहे हैं। पृथ्वी पर प्लास्टिक प्रदूषण इस तरह से बढ़ा है कि अगर आज पूरे विश्व में प्लास्टिक बंदी हो जाए तो भी हजार साल उसका अस्तित्व वातावरण में नजर आयेगा। आपको जानकर हैरानी होगी कि आज के वर्तमान युग में हम रोज प्लास्टिक खा रहे हैं, पी रहे हैं और प्लास्टिक मिश्रित ऑक्सीजन ले रहे हैं। वैश्विक स्तर पर, हर साल प्रति व्यक्ति संभावित रूप से 11,845 से 193,200 माइक्रोप्लास्टिक्स ग्रहण करता है, जो 7.7 ग्राम से 287 ग्राम प्रति व्यक्ति के बीच होता है, इसका सबसे बड़ा जरिया हमारा पीने का पानी है।

क्रिश्चियन चैरिटी समूह टियरफ़ंड द्वारा किए गए शोध से पता चला है कि विकासशील देशों में हर 30 सेकंड में एक मौत के लिए प्लास्टिक कचरा जिम्मेदार है। शोधकर्ताओं ने पाया कि हर साल चार लाख से दस लाख लोग कुप्रबंधित प्लास्टिक कचरे के संपर्क में रहने के कारण कैंसर जैसी घातक बीमारियों से मरते हैं। प्लास्टिक कचरे से हर साल 100 मिलियन समुद्री जीव मरते हैं, हर साल 100,000 समुद्री जीव प्लास्टिक में उलझने से जान गवांते है। गर्म खाद्य पदार्थों के लिए प्लास्टिक का प्रयोग जहर जैसा है क्योंकि जैसे ही प्लास्टिक का गर्म खाद्यपदार्थों से संपर्क होता है, तो प्लास्टिक अपने जहरीले रसायनों को छोड़ता है, जो खाद्यपदार्थों में मिलता है और उस खाद्य पदार्थों को खाकर इंसान जानलेवा बीमारियों का शिकार होता है, इसलिए प्लास्टिक प्रदूषण के द्वारा मौतों में लगातार वृद्धि हो रही है। प्लास्टिक में मौजूद जहरीले रसायन मानव शरीर में हार्मोन गतिविधि को बदल सकते हैं, प्लास्टिक में मौजूद विघटनकारी रसायन बांझपन, मोटापा, मधुमेह, प्रोस्टेट या स्तन कैंसर, थायरॉयड समस्याओं, हृदय रोग और स्ट्रोक के जोखिम को बढ़ाते हैं। प्लास्टिक की थैलियों को फोटोडिग्रेड होने में लगभग 300 साल और कुछ प्लास्टिक को हजार साल तक लग जाते हैं। वे छोटे-छोटे जहरीले कणों में टूट जाते हैं जो मिट्टी और जलमार्गों को प्रदूषित करते हैं और जब जानवर, पशुपक्षी या समुद्रीजीव गलती से ये प्लास्टिक खा लेते हैं, तो वे खाद्य श्रृंखला में प्रवेश कर जाते हैं। प्लास्टिक को जलाने से उन्हें खत्म नहीं किया जा सकता, क्योंकि जलाने पर वे वायुमंडल में जहरीली गैसें छोड़ते हैं जो वायु प्रदूषण का कारण बनती हैं।

हर साल 3 जुलाई को दुनियाभर में जनजागृति के लिए अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस मनाया जाता है, इस वर्ष की थीम व्यक्तियों, व्यवसायों और संगठनों को प्लास्टिक के अन्य स्थायी विकल्प अपनाने के लिए प्रोत्साहित करें यह है, प्लास्टिक के उपयोग और अपशिष्ट को कम करने के लिए नीतिगत परिवर्तनों और प्रणालीगत समाधानों पर जोर दें। प्लास्टिक बैग पेट्रोलियम उत्पादों से बने होते हैं, प्लास्टिक खाद्य भंडारण पैकेज में जहरीले रसायन होते हैं, प्लास्टिक उत्पादन के दौरान जहरीले रसायन निकलते हैं। साल 2050 तक महासागरों में मछलियों की तुलना में प्लास्टिक कचरा अधिक होगा। हर साल दुनिया भर में करीब 500 बिलियन प्लास्टिक बैग इस्तेमाल किए जाते हैं, यह बहुत ज़्यादा बैग हैं। दुनिया भर में हर सेकंड 160,000 प्लास्टिक बैग का उपयोग किया जाता है, जिनका जीवनकाल लगभग 12 से 25 मिनट है। दुनिया भर में हर मिनट लगभग दस लाख प्लास्टिक पेय की बोतलें बेची जाती हैं, प्यू चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्ययन 2022 अनुसार, हर साल 11 मिलियन मीट्रिक टन से अधिक प्लास्टिक समुद्र में प्रवेश करता है, जो पानी में मिलकर खाद्य श्रृंखला को बाधित करता है। ईए की रिपोर्ट के अनुसार, भारत एमडब्ल्यूआई में चौथे स्थान पर है, जहां 98.55 प्रतिशत उत्पन्न कचरे का कुप्रबंधन किया जाता है। भारत में प्लास्टिक कचरे का उत्पादन पिछले पांच वर्षों में चार गुना हो गया है। सरकार का कहना है कि देश का 607 प्लास्टिक कचरा रिसाइकिल किया जाता है, जबकि सीपीसीबी डेटा पर आधारित सीएसई डेटा के मुताबिक, भारत अपने प्लास्टिक कचरे का केवल 127 ही रिसाइकल कर पाता है।

भारत देश में एकल उपयोग प्लास्टिक थैलियों पर प्रतिबंध है, बहुत बार प्रदुषण नियंत्रण बोर्ड एवं महानगर पालिका या नगर निगम द्वारा दुकानों, कारखानों पर छापा मारकर प्लास्टिक थैलियों का अवैध माल जप्त किया जाता है। परंतु हम सभी जानते है कि पाबंदी के बावजूद बड़ी मात्रा में प्लास्टिक थैलियों का अवैध व्यापार और उपयोग धड़ल्ले से जारी है। दुकानदार के मना करने के बावजूद ग्राहक भी प्लास्टिक थैलियों की मांग करते है, ऐसे लोगों की बेवकूफी का खामियाजा अन्य लोगों और पर्यावरण को भुगतना पड़ता है, जिससे मासूमों जीवों की जान भी चली जाती है। बहुत बार हमें रास्ते, दुकान, स्ट्रीट वेंडर्स किराना दुकान, होटल, सब्जी भाजी फल वाले, खाद्यपदार्थ विक्रेता, छोटे-मोटे दुकानदार की तरफ बैन प्लास्टिक थैलियों का इस्तेमाल नजर आता है। थैलियां इस्तेमाल हो रही है मतलब, ऐसी अवैध प्लास्टिक थैलियों का उत्पाद शुरू है।

एक बात हमेशा याद रखो कि ढूंढने से सौ बहाने मिलेंगे लेकिन मेहनत से हर बात संभव होती है। 2008 में, छोटा सा गरीब देश रवांडा दुनिया के उन पहले देशों में से एक बन गया, जिसने सिंगल-यूज प्लास्टिक बैग और बोतलों पर प्रतिबंध लगा दिया, इस देश में प्लास्टिक की वस्तु के साथ पकड़े जाने पर छह महीने जेल की सजा है। सिक्किम, जो 1998 में डिस्पोजेबल प्लास्टिक बैग पर प्रतिबंध लगाने वाला पहला भारतीय राज्य बना, 2016 में, सिक्किम ने दो बड़े फैसले लिए, इसने सरकारी कार्यालयों और सरकारी कार्यक्रमों में पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया। केरल के कन्नूर में 25 लाख से ज़्यादा लोगों ने प्लास्टिक का इस्तेमाल बंद कर दिया, ताकि यह दक्षिण भारत का पहला प्लास्टिक-मुक्त ज़िला बन सके। एक साल के भीतर, कन्नूर जिले में 40 लाख प्लास्टिक कैरी बैग कम हो गए। दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के दूरदराज के गांव सादिवाड़ा में, ग्राम पंचायत के मुखिया ने पर्यावरण को बचाने के लिए प्लास्टिक-मुक्त कहलाने वाला पहला गांव बनाने की एक अनूठी पहल शुरू की। असम के एक मॉडल स्कूल में छात्रों को स्कूल फीस के तौर पर हर सप्ताह 25 प्लास्टिक अपशिष्ट एकत्र करके लाना होता है, ताकि पर्यावरण सुरक्षित रहें। मेघालय के मावलिननॉन्ग गांव के पास स्थित दावकी झील को 2003 में एशिया का सबसे स्वच्छ गांव घोषित किया गया था। स्वच्छता के प्रति बेहद जागरूक ग्रामीणों ने प्लास्टिक के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया है। जनवरी 2020 में केरल के कुमारकोम पहला प्लास्टिक-मुक्त पर्यटन स्थल बन गया। प्लास्टिक मुक्त वातावरण बनाने के लिए पहल हम सबको मिलकर करनी होगी ताकि आनेवाली पीढ़ी के लिए यह जीवसृष्टि स्वच्छ हरीभरी बनी रहें।

नजरिया

ऊर्जा दक्षता के लिए छोटे-छोटे प्रयास जरूरी

अमित बैजनाथ गर्ग
मोबाइल : 78770 70861

हाल ही में इटली के अपुलिया में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन में एक बार फिर ऊर्जा क्षेत्र को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। यह दुनिया में ऊर्जा क्षेत्र के बढ़ते महत्व को दर्शाता है। सम्मेलन में कहा गया है कि दुनिया के सात सर्वाधिक संपन्न देशों का समूह जी-7 जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करेगा और ऊर्जा के बदलते स्रोतों को अपनाने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाएगा। सम्मेलन की समाप्ति पर समूह की तरफ से जारी मसौदा बयान में यह बात कही गई। मसौदे में कहा गया है कि हम जीवाश्म ईंधन पर धीरे-धीरे व्यवस्थित ढंग से निर्भरता कम करेंगे। 2050 तक शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य हासिल करने के लिए इस दशक में हम मिलकर गंभीरता से प्रयास करेंगे। इस दस्तावेज में कहा गया है कि 2035 तक कोयला आधारित बिजली उत्पादन में कटौती की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी और इस दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे।

गौरतलब है कि बीते अप्रैल महीने में जी-7 देशों के वित्त मंत्री इस प्रस्ताव पर सहमत हुए थे। वहीं सम्मेलन में विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि ऊर्जा के क्षेत्र में भारत का दृष्टिकोण चार सिद्धांतों उपलब्धता, पहुंच, सामर्थ्य और स्वीकार्यता पर आधारित है। हम 2070 तक नेट जीरो का लक्ष्य हासिल करने की अपनी प्रतिबद्धता पूरी करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। मोदी ने वैश्विक नेताओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमें मिलकर आने वाले समय को हरित युग बनाने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत कॉप के अंतर्गत ली गई सभी प्रतिबद्धताओं को समय से पहले पूरा करने वाला प्रथम देश है। उन्होंने ऊर्जा क्षेत्र के महत्व को रेखांकित करते हुए यह भी कहा कि हमें मिलकर आने वाले समय को ग्रीन एरा बनाने का हर संभव प्रयास करना चाहिए।

असल में दुनिया ऊर्जा के क्षेत्र में संकटों का सामना कर रही है। सभी इस बात को समझ चुके हैं कि इस क्षेत्र पर अभी गंभीरता से ध्यान नहीं दिया गया, तो आने वाला समय बहुत चुनौतीपूर्ण होगा। उभरते ऊर्जा संकट, घटते जीवाश्म ईंधन संसाधनों और उच्च तेल की कीमतों के साथ जलवायु परिवर्तन की चिंताओं ने बढ़ती ऊर्जा मांगों को पूरा करने के लिए नवीकरणीय, वैकल्पिक, पर्यावरण अनुकूल और कार्बन तटस्थ ईंधन के विकास की ओर वैश्विक ध्यान आकर्षित किया है। अधिकांश ऊर्जा संकट स्थानीय कमी, युद्ध और बाजार में हेरफेर के कारण हुए हैं। कुछ लोगों ने तर्क दिया है कि कर वृद्धि, ऊर्जा कंपनियों का राष्ट्रीयकरण और इस क्षेत्र के विनियमन जैसी सरकारी कार्रवाई ने इस संकट को बढ़ाया है।

आखिर क्यों बार-बार एनर्जी सेक्टर पर इतनी गंभीरता से बातचीत की जा रही है? क्यों वैश्विक मंचों पर इस मुद्दे को हर बार उठाया जा रहा है? असल में दुनिया ऊर्जा के क्षेत्र में संकटों का सामना कर रही है। सभी इस बात को समझ चुके हैं कि इस क्षेत्र पर अभी गंभीरता से ध्यान नहीं दिया गया, तो आने वाला समय बहुत चुनौतीपूर्ण होगा। उभरते ऊर्जा संकट, घटते जीवाश्म ईंधन संसाधनों और उच्च तेल की कीमतों के साथ जलवायु परिवर्तन की चिंताओं ने बढ़ती ऊर्जा मांगों को पूरा करने के लिए नवीकरणीय, वैकल्पिक, पर्यावरण अनुकूल और कार्बन तटस्थ ईंधन के विकास की ओर वैश्विक ध्यान आकर्षित किया है। अधिकांश ऊर्जा संकट स्थानीय कमी, युद्ध और बाजार में हेरफेर के कारण हुए हैं। कुछ लोगों ने तर्क दिया है कि कर वृद्धि, ऊर्जा कंपनियों का राष्ट्रीयकरण और इस क्षेत्र के विनियमन जैसी सरकारी कार्रवाई ने इस संकट को बढ़ाया है।

जहां तक भारत की बात है, तो इसके ऊर्जा संकट से निपटने की राह में कई चुनौतियां हैं। पहली बात तो यह है कि सभी के पास सीमित ऊर्जा संसाधन हैं। भारत के पास कोयला, तेल और गैस जैसे सीमित ऊर्जा संसाधन ही मौजूद हैं और यह अपनी बढ़ती ऊर्जा मांगों की पूर्ति के लिए आयात पर निर्भर है। वित्त वर्ष 2023 के लिए पेट्रोलियम आयात का अनुमानित मूल्य करीब 210 बिलियन अमेरिकी डॉलर आकलित किया गया है। इसमें कच्चे तेल के लिए 163 बिलियन अमेरिकी डॉलर का आयात मूल्य और एलएनजी एवं एलपीजी के लिए क्रमश: 17.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर एवं 14 बिलियन अमेरिकी डॉलर का आयात मूल्य शामिल है। पिछले वित्त वर्ष की तुलना में कच्चे तेल के आयात में 53 फीसदी की वृद्धि हुई है। वहीं कोयला भंडार कमजोर हैं और उनके निष्कर्षण एवं उपयोग से महत्वपूर्ण पर्यावरणीय चिंताएं जुड़ी हुई हैं। परिणामस्वरूप भारत ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों की तलाश कर रहा है, जैसे कि सौर, पवन और जल विद्युत।

देश के ऊर्जा क्षेत्र में अभी अपर्याप्त निवेश है। देश के ऊर्जा क्षेत्र को अपने बुनियादी ढांचे में सुधार और अपनी ऊर्जा क्षमता का विस्तार करने के लिए वृहद निवेश की आवश्यकता है, लेकिन सरकार और निजी क्षेत्र ऊर्जा क्षेत्र में पर्याप्त निवेश नहीं कर पा रहे हैं। देश की निम्न प्रति व्यक्ति आय और उच्च गरीबी दर भी लोगों के लिए स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों का वहन कर सकना कठिन बनाती है। वहीं इस क्षेत्र में राजनीतिक और नियामक बाधाएं भी हैं। देश का ऊर्जा क्षेत्र अत्यधिक विनियमित या नियंत्रित है और इसमें सुधार की राह में उल्लेखनीय बाधाएं मौजूद हैं। इसमें एजेंसियों में समन्वय की कमी एक प्रमुख घटक है। गौरतलब है कि भारत विश्व के सबसे बड़े ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जकों में से एक है और इसका ऊर्जा क्षेत्र इन उत्सर्जनों का एक प्रमुख योगदानकर्ता है। वहीं जलवायु परिवर्तन देश की ऊर्जा अवसंरचना को भी प्रभावित कर रहा है, क्योंकि मौसमी घटनाओं की आवृत्ति बढ़ती जा रही है।

एक अध्ययन के अनुसार, देश में एलईडी बल्ब एवं ट्यूबलाइट के इस्तेमाल से उजाले के लिए खर्च होने वाली बिजली में करीब 75 फीसदी की कमी आई है। भवनों में बिजली की खपत को लेकर भी कई अध्ययन हुए हैं, जो बताते हैं कि ऊर्जा दक्ष उपकरणों के इस्तेमाल से करीब 30 फीसदी बिजली खपत कम की जा सकती है यानी भवनों में 1.20 लाख गीगावाट बिजली बचाए जाने की संभावनाएं मौजूद हैं। अध्ययन बताते हैं कि ऊर्जा दक्षता के मानकों को लागू कर घरेलू और आवासीय भवनों में बड़े पैमाने पर बिजली को बचाया जा सकता है। यदि भवनों में ऊर्जा दक्षता के मानक लागू हो जाएं, तो अतिरिक्त 30 फीसदी बिजली बच सकती है। एक रिपोर्ट के अनुसार, देश में उद्योग जगत सबसे ज्यादा करीब 42 फीसदी बिजली खर्च करता है। दूसरे नंबर पर घरेलू क्षेत्र 24 फीसदी बिजली खर्च करता है। व्यावसायिक भवनों में बिजली की खपत आठ फीसदी है। भवन क्षेत्र की कुल खपत 32 फीसदी है, लेकिन भवनों में ऊर्जा दक्षता के मानकों का क्रियान्वयन सबसे कम हुआ है।

असल में देश में ऊर्जा क्षेत्र में त्वरित सुधारों की दरकार है। सबसे पहले तो आयात पर निर्भरता कम करने के लिए घरेलू कोयले की गुणवत्ता में सुधार पर ध्यान देना होगा। इसे कोयले के कैलोरी मान को बढ़ाने और राख की मात्रा को कम करने के लिए प्रौद्योगिकी में निवेश कर प्राप्त किया जा सकता है। वहीं नवीकरणीय ऊर्जा को प्रोत्साहित करना होगा। देश में सौर, पवन और जल विद्युत जैसे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों की अपार क्षमता मौजूद है। सरकार को प्रोत्साहन राशि और सब्सिडी के माध्यम से नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के विकास को प्रेरित करना चाहिए। कार्बन मूल्य निर्धारण नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग को प्रोत्साहित करने में मदद कर सकता है। वहीं ऊर्जा के कुशल संचरण और वितरण को सुनिश्चित करने के लिए ऊर्जा अवसंरचना के विकास में निवेश करना होगा। यह मौजूदा अवसंरचना के उन्नयन और नए बिजली संयंत्रों, पाइपलाइनों और ट्रांसमिशन लाइनों के निर्माण के माध्यम से हासिल हो सकता है।

वैश्विक ऊर्जा संकट के कई संभावित समाधान पहले से ही मौजूद हैं, लेकिन उनका व्यापक रूप से उपयोग नहीं किया जा रहा है। सबसे अच्छा समाधान यह है कि गैर-नवीकरणीय संसाधनों पर दुनिया की निर्भरता को खत्म किया जाए और समग्र संरक्षण प्रयासों में सुधार किया जाए। औद्योगिक युग का अधिकांश हिस्सा जीवाश्म ईंधन पर आधारित था और प्रसिद्ध तकनीक भाप, सौर और पवन जैसे नवीकरणीय ऊर्जा के अन्य रूपों का उपयोग करती है। पीले बल्बों की जगह सीएफएल और एलईडी लगाएं। वे कम ऊर्जा की खपत करते हैं और लंबे समय तक चलते हैं। अगर दुनिया में लाखों लोग आवासीय और व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए एलईडी और सीएफएल का उपयोग करते हैं, तो ऊर्जा की मांग कम होगी और संकट से बचा जा सकेगा। जो लोग विभिन्न तरीकों से बिजली पैदा करते हैं, उन्हें इसे ग्रिड में डालने और अपनी ऊर्जा के लिए क्रेडिट प्राप्त करने की अनुमति दी जानी चाहिए।

इसके अलावा, सौर पैनलों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जानी चाहिए ताकि जनता को अक्षय ऊर्जा विकल्पों की जांच करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। ज्यादा स्टार वाले उपकरण खरीदे जाने चाहिए, इससे बिजली की बचत होगी। घरों, भवनों में इस्तेमाल होने वाले बिजली उपकरणों की सूची में सौ से भी ज्यादा उपकरण आते हैं। यह सुनिश्चित करना होगा कि भवनों में इस्तेमाल होने वाले सभी ऊर्जा उपकरण दक्षता मानकों के दायरे में हों और उन्हें स्वैच्छिक नहीं, बल्कि अनिवार्य रूप से लागू किया जाए। वहीं बिना रेटिंग वाले उपकरणों की बिक्री पर रोक होनी चाहिए। विशेषज्ञों का कहना है कि पिछले कुछ सालों में लोगों में ऊर्जा दक्षता को लेकर चेतना बढ़ी है, लेकिन अभी भी जागरूक होने की दरकार है। हमें छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखना होगा। इस तरह छोटे-छोटे प्रयासों से हम बिजली की बचत कर सकते हैं और हम सभी को ऐसे प्रयासों को अपनाना ही होगा।

महत्त्वपूर्ण
Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

आरोपियों ने सलमान खान पर फिल्म की शूटिंग के दौरान हमला करने की साजिश रची थी : पुलिस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान की हत्या की कथित साजिश मामले में शामिल एक आरोपी ने एक फिल्म की शूटिंग के दौरान उन पर हमला करने का षडयंत्र रचा था। यह जानकारी पुलिस के एक अधिकारी ने आरोप पत्र के हवाले से मंगलवार को दी। अधिकारी ने बताया कि मामले की जांच के दौरान पता चला कि जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई ने अपने गिरोह के सदस्यों को अभिनेता पर हमला करने के लिए 25 लाख रुपये की सुपारी दी थी। अधिकारी ने बताया कि गिरोह ने हमले के लिए एके-47 सहित पाकिस्तान से अत्याधुनिक हथियारों का इस्तेमाल करने का षडयंत्र रचा था। उन्होंने कहा कि नवी मुंबई की पनवेल टाउन पुलिस ने 21 जून को पांच गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ मजिस्ट्रेट अदालत में 350 पन्नों का आरोपपत्र दाखिल किया।

उन्होंने बताया कि ये आरोपी धनंजय तपसिंह उर्फ अजय कश्यप (28), गौतम भाटिया (29), वासपी महमूद खान उर्फ चीना (36), रिजवान हुसैन उर्फ जावेद खान (25) और दीपक हवासिंह उर्फ जॉन (30) हैं। अधिकारी ने बताया कि जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई, उसके भाई अनमोल बिश्नोई, संपत नेहरा और गोल्डी बराड़ को मामले में वांछित आरोपी बनाया गया है। अधिकारी ने बताया कि इस हमले को किसी फिल्म की शूटिंग के दौरान या अभिनेता के पनवेल स्थित फार्महाउस से निकलने के दौरान अंजाम देने की कथित साजिश थी। उन्होंने बताया कि आरोप पत्र में साजिश, हमले और भागने के रास्ते का विस्तृत विवरण दिया गया है। इसमें एकत्रित खुफिया जानकारी, आरोपियों के मोबाइल फोन रिकॉर्ड, उनके व्हाट्सएप चैट, ऑडियो और वीडियो कॉल और टावर लोकेशन का विश्लेषण शामिल है।

अधिकारी ने बताया कि अप्रैल में पनवेल टाउन पुलिस ने बिश्नोई गिरोह के सदस्यों द्वारा अभिनेता की हत्या की कथित साजिश का पर्दाफाश किया था। पुलिस की जांच के दौरान इस साजिश का पता चला। जांच के दौरान लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के सदस्य अजय कश्यप और एक अन्य आरोपी के बीच वीडियो कॉल पर हुई बातचीत का पता चला था जिससे इस षडयंत्र का खुलासा हुआ। बातचीत के अनुसार, गोल्डी बराड़ के आदेश पर आधुनिक हथियार चलाने में प्रशिक्षित शार्पशूटर मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पुणे, रायगढ़ और गुजरात में तैनात किए गए थे। अधिकारियों ने पिछले महीने प्राथमिकी का हवाला देते हुए बताया था कि शार्पशूटर अनमोल बिश्नोई और रोहित गोदारा को हमला करने के निर्देश बराड़ ने दिए थे और इस कार्य के लिए 18 वर्ष से कम उम्र के नाबालिगों का इस्तेमाल करना था।

हाथरस में सत्संग में मची भगदड़

116 से ज्यादा लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हाथरस/भाषा। उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले के सिकंदराराऊ क्षेत्र में आयोजित एक सत्संग में मंगलवार को भगदड़ मच गयी, जिसमें 116 से ज्यादा लोगों की मौत हो गयी और कई अन्य घायल हैं। पुलिस ने यह जानकारी दी। एटा के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार सिंह ने बताया कि यह घटना पुलराई गांव में सत्संग में हुई, जिसमें शामिल होने के लिये बड़ी संख्या में लोग आए थे। हाथरस के जिलाधिकारी आशीष कुमार ने बताया कि घटना में अब तक 116 से ज्यादा लोगों की मौत होने की जानकारी मिली है।इस बीच, कुछ प्रत्यक्षदर्शियों ने एटा के अस्पताल में 60 से अधिक शव लाए जाने का दावा किया।

पीड़ितों को मृत अवस्था में या बेहोशी की हालत में ट्रकों तथा अन्य वाहनों में लाद कर सिकंदराराऊ ट्रामा सेंटर लाया गया। शवों को स्वास्थ्य केंद्र के बाहर रखा गया, जहां लोगों की भारी भीड़ एकत्र हो गई। एक वीडियो क्लिप में एक महिला को ट्रक में पांच छह शवों के बीच बुरी तरह रोते हुए दिखाया गया है। एक अन्य तस्वीर में एक अन्य वाहन में एक महिला और एक पुरुष अचेत अवस्था में लेटे नजर आए। प्रत्यक्षदर्शी शकुंतला देवी ने 'पीटीआई-वीडियो' को बताया कि सत्संग खत्म होने के बाद लोग जब आयोजन स्थल से निकल रहे थे, तो उसी समय भगदड़ मची। उन्होंने बताया कि लोग एक दूसरे के ऊपर गिरते चले गए।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भगदड़ की घटना में लोगों की हुई मौत को 'हृदय विदारक' बताया और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। मुर्मू ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा,उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में हुए हादसे में महिलाओं और बच्चों सहित कई श्रद्धालुओं की मौत की खबर हृदय विदारक है। मैं उन लोगों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं, जिन्होंने अपने परिवार के सदस्यों को खो दिया और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करती हूं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में एक सत्संग समारोह के दौरान भगदड मचने की घटना में लोगों की मौत पर दुख जताते हुए पीड़ितों को हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। प्रधानमंत्री ने लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा के जवाब के दौरान कहा, ''चर्चा के बीच मुझे अभी एक दुखद खबर दी गई है। उत्तर प्रदेश के हाथरस में एक कार्यक्रम में भगदड़ मचने से कई लोगों की दुखद मृत्यु की सूचना आ रही है। मैं मृतकों के प्रति अपनी संवेदना (शोक) व्यक्त करता हूं। मैं सभी घायलों के जल्द से जल्द ठीक होने की कामना करता हूं।'' इस

बीच, प्रधानमंत्री कार्यालय ने मृतकों के परिजनों के लिये दो-दो लाख रुपये और घायलों के लिये 50-50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दिये जाने की घोषणा की।

सिकंदराराऊ थाने के एसएचओ आशीष कुमार ने कहा कि भगदड़ वस्तुत: अत्यधिक भीड़ होने की वजह से हुई। सत्संग में शामिल होने के लिये अपने परिवार के साथ जयपुर से आयी एक महिला ने बताया कि सत्संग के समापन के बाद लोग एकदम से बाहर निकलने लगे, जिससे भगदड़ मच गयी। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भगदड़ में मारे गए लोगों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये तथा घायलों को 50-50 हजार की आर्थिक सहायता देने के निर्देश दिए हैं। सिकंदराराऊ के विधायक वीरेंद्र सिंह राणा ने पीटीआई-भाषा' को बताया कि एक दिवसीय सत्संग सुबह मंगलवार से शुरू हुआ था।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री **योगी आदित्यनाथ** ने इस घटना पर दुख व्यक्त करते हुए अधिकारियों को राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिये हैं। योगी ने अपर पुलिस महानिदेशक (आगरा) और आयुक्त (अलीगढ़) के नेतृत्व में टीम गठित कर दुर्घटना के कारणों की जांच के निर्देश भी दिए हैं। मुख्यमंत्री ने जनपद हाथरस में हुए हादसे का संज्ञान लिया। उन्होंने मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। योगी ने कहा, उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी और संदीप सिंह घटना स्थल के लिए रवाना हो चुके हैं तथा प्रदेश के मुख्य सचिव एवं पुलिस महानिदेशक को घटना स्थल पर पहुंचने के निर्देश दिये गये हैं। उन्होंने कहा आगरा के अपर पुलिस महानिदेशक और अलीगढ़ के आयुक्त के नेतृत्व में टीम गठित कर दुर्घटना के कारणों की जांच के निर्देश भी दिए हैं। उन्होंने कहा, प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को अपने श्री चरणों में स्थान तथा घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।

शाहरुख को लोकार्नो फिल्म महोत्सव में 'करियर अचीवमेंट अवॉर्ड' से सम्मानित किया जाएगा

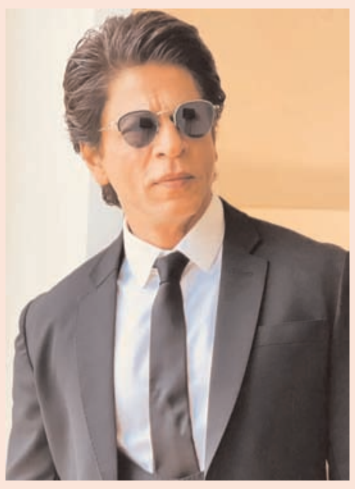

मुंबई/भाषा। अभिनेता शाहरुख खान को लोकार्नो फिल्म महोत्सव के 77वें संस्करण में करियर अचीवमेंट सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। आयोजकों ने मंगलवार को इसकी घोषणा की। खान पार्डो अला कैरियर असकोना-लोकार्नो टूरिज्म' से सम्मानित होने वाले पहले भारतीय होंगे। इससे पहले, इतालवी फिल्म निर्माता फ्रांसेस्को रोसी, अमेरिकी गायक-अभिनेता हैरी बेलाफोनेट और मलेशियाई निर्देशक साई मिंग-लियांग इस पुरस्कार से सम्मानित किए जा चुके हैं।

खान (58) को 10 अगस्त को स्विट्जरलैंड के लोकार्नो स्थित पियाजा ग्रांडे में यह पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। सात अगस्त से शुरू होने वाले इस महोत्सव में संजय लीला भंसाली निर्देशित 2002 की फिल्म 'देवदास' भी दिखाई जाएगी। खान 11 अगस्त को 'फोरम स्पेज़ियो सिनेमा' में आम जनता के लिए खुली बातचीत में भी शामिल होंगे। लोकार्नो फिल्म महोत्सव के 77वें संस्करण में खान को महोत्सव के करियर अचीवमेंट अवार्ड पार्डो अला कैरियर असकोना-लोकार्नो टूरिज्म से सम्मानित किया जाएगा। महोत्सव के आयोजकों ने एक बयान में कहा, यह पुरस्कार भारतीय सिनेमा में खान के उल्लेखनीय करियर के लिए प्रदान किया जाएगा, जिसमें विभिन्न विधाओं की 100 से अधिक फिल्में शामिल हैं। लोकार्नो फिल्म महोत्सव के कलात्मक निदेशक जियोना ए नाज़ारो ने कहा कि इस समारोह में शाहरुख का स्वागत करना एक सपने के सच होने जैसा है। उन्होंने कहा, भारतीय सिनेमा में उनका योगदान बेमिसाल है। खान एक ऐसे अभिनेता हैं जिनका कभी भी दर्शकों से संपर्क नहीं कटा। लोकार्नो फिल्म महोत्सव का 17 अगस्त को समापन होगा।

पोर्श दुर्घटना : चालक के अपहरण मामले में अदालत ने किशोर के पिता, दादा को जमानत दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। महाराष्ट्र में पुणे की एक अदालत ने पोर्श कार दुर्घटना में कथित रूप से शामिल किशोर के पिता और दादा को मंगलवार को जमानत दे दी। यह मामला मई में हुई इस दुर्घटना के बाद परिवार के लिये काम करने वाले चालक के कथित अपहरण और गलत तरीके से बंधक बनाने से संबंधित है। न्यायिक मजिस्ट्रेट (प्रथम श्रेणी) ने 17 वर्षीय लड़के के पिता विशाल अग्रवाल और उसके दादा को जमानत दे दी। इन दोनों को मई के अंत में गिरफ्तार किया गया था। पुलिस का दावा है कि 19 मई की सुबह कथित तौर पर शराब के नशे में कार चला रहे नाबालिग ने पुणे के कल्याणी नगर इलाके में एक दोपहिया वाहन को टक्कर मार दी थी, जिससे दो आईटी पेशेवरों की मौत हो गई थी। यह महंगी कार उसके रियल एस्टेट कारोबारी पिता की थी। पुलिस के अनुसार लड़के के पिता और दादा ने दुर्घटना के कुछ घंटों बाद 19 मई को रात 11 बजे पुलिस थाने से निकलने के बाद उनके परिवार के लिए काम करने वाले चालक का कथित तौर पर अपहरण कर लिया था, उसे गलत तरीके से अपने बंगले में बंधक बना लिया था और उसे यह स्वीकार करने के लिए मजबूर करने की कोशिश की कि दुर्घटना के समय वह गाड़ी चला रहा था, न कि नाबालिग लड़का। बचाव पक्ष के वकील प्रशांत पाटिल ने बताया कि उनके मुवक्किलों को कथित अपहरण और गलत तरीके से बंधक बनाने के मामले में अदालत ने जमानत दे दी है।

पाटिल ने कहा, ''मेरे मुवक्किल जांच एजेंसी के साथ सहयोग करेंगे और अदालत की कड़ी (जमानत) शर्तों का पालन करेंगे।'' एक अदालत ने पिछले महीने किशोर न्याय अधिनियम से संबंधित एक मामले में 21 मई को गिरफ्तार किए गए अग्रवाल को जमानत दे दी थी। बम्बई उच्च न्यायालय ने 25 जून को निर्देश दिया था कि नाबालिग को सुधार गृह से रिहा किया जाए और कहा था कि किशोर न्याय बोर्ड (जेजेबी) का उसे हिरासत में रखने का आदेश अवैध है।

गरीब कन्याओं के विवाह से शुरू हुआ अंबानी परिवार का शादी समारोह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/एजेन्सी। अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट के शादी की रस्मों की शुरुआत गरीब कन्याओं के सामूहिक विवाह से हुई। वंचित परिवारों से जुड़े 50 से अधिक जोड़े मुंबई से कोई 100 किलोमीटर दूर पालघर से आए थे। सामूहिक विवाह का आयोजन रिलायंस कॉरपोरेट पार्क में किया गया। इस सामूहिक

विवाह में वर व वधू पक्ष के करीब 800 लोग शरीक हुए। इस मौके पर अंबानी परिवार ने ऐसे कई सामूहिक विवाह करवाने का संकल्प लिया। सामूहिक विवाह के अवसर पर नीता अंबानी व मुकेश अंबानी अपने परिवार के सदस्यों के साथ शामिल हुए। नव विवाहितों को अंबानी परिवार ने शुभकामनाएं दी। अंबानी परिवार की ओर से प्रत्येक जोड़े को मंगलसूत्र, शादी की अंगूठी और नाक की लोंग सहित सोने-चांदी के कई आभूषण भेंट किए।

इसके अलावा, प्रत्येक दुल्हन को 'स्त्रीधन' के रूप में 1 लाख 1 हजार रुपये का चेक भी दिया गया। प्रत्येक जोड़े को एक वर्ष के लिए पर्याप्त किराने और घरेलू सामान भी उपहार में दिए गए, जिसमें 36 प्रकार की आवश्यक वस्तुएं जैसे बर्तन, गैस स्टोव, मिक्सर, गद्दे, तकिए आदि शामिल थे। सामूहिक विवाह में उपस्थित लोगों के लिए एक भव्य भोज का आयोजन भी किया गया। शाम को हुए एक सांस्कृतिक कार्यक्रम में वारली जनजाति द्वारा पारंपरिक तरपा नृत्य प्रस्तुत किया गया।

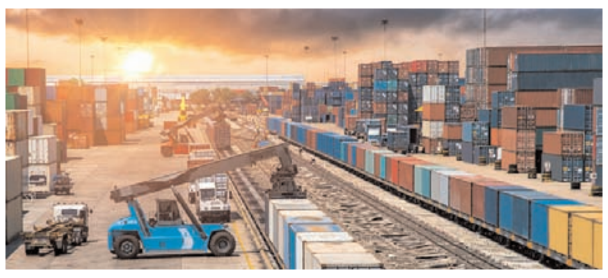

जून में रेलवे की माल ढुलाई से कमाई 1,481 करोड़ रुपये बढ़ी

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय रेलवे की जून में माल ढुलाई से आय सालाना आधार पर 11.12 प्रतिशत या 1,481 करोड़ रुपये बढ़कर 14,798.11 करोड़ रुपये रही है। एक साल पहले इसी महीने में यह आंकड़ा 13,316.81 करोड़ रुपये था। रेलवे बोर्ड ने बयान में कहा, जून, 2024 के दौरान, 13.54 करोड़ टन की शुरुआती माल ढुलाई हासिल की गई है, जबकि जून, 2023 में यह आंकड़ा 12.30 करोड़ टन था, जो सालाना आधार पर लगभग 10.07 प्रतिशत की वृद्धि है। बयान में कहा गया कि जून में 14,798.11 करोड़ रुपये का माल ढुलाई राजस्व प्राप्त हुआ, जबकि जून, 2023 में 13,316.81 करोड़ रुपये की माल ढुलाई आय हुई थी। इस तरह सालाना आधार पर लगभग 11.12 प्रतिशत की वृद्धि हुई। रेलवे मंत्रालय के अनुसार इस वर्ष जून में रेलवे ने 6.02 करोड़ टन कोयला, 88.2 लाख टन आयातित कोयला, 1.50 करोड़ टन लौह अयस्क, 53.6 लाख टन पिग आयरन और तैयार स्टील, 75.6 लाख टन सीमेंट, 52.8 लाख टन क्लिंकर, 42.1 लाख टन खाद्यान्न, 53 लाख टन उर्वरक और 41.8 लाख टन खनिज तेल की ढुलाई की। मंत्रालय ने कहा, माल ढुलाई के लिए तैयार रहो' मंत्र का पालन करते हुए आईआर (भारतीय रेलवे) ने कारोबारी सुगमता के साथ ही प्रतिस्पर्धी कीमतों पर सेवा वितरण में सुधार के लिए लगातार कोशिश की है।

नये शिखर पर पहुंचने के बाद सेंसेक्स, निफ्टी में मामूली नुकसान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। स्थानीय शेयर बाजार में मंगलवार को कारोबार के दौरान तेजी रही और दोनों मानक सूचकांक 'बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी' नये शिखर पर पहुंच गये लेकिन बाद में मुनाफावसूली से ये मामूली गिरावट के साथ बंद हुए। शेयरों के अधिक भाव को लेकर चिंता के बीच चुनिंदा बैंकों और दूरसंचार कंपनियों के शेयरों में मुनाफावसूली से बाजार मामूली नुकसान में रहा। उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 34.74 अंक यानी 0.04 प्रतिशत की गिरावट के साथ 79,441.45 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 379.68 अंक यानी 0.47 प्रतिशत की बढ़त के साथ रिकॉर्ड 79,855.87 अंक तक चला गया था।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 18.10 अंक यानी 0.07 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,123.85 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 94.4 अंक यानी 0.39 प्रतिशत की बढ़त के साथ अबतक के उच्चतम स्तर 24,236.35 अंक तक चला गया था। सेंसेक्स के शेयरों में कोटक महिंद्रा बैंक, भारती एयरटेल, इंडसइंड बैंक, टाटा मोटर्स, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस, भारतीय स्टेट बैंक और टाइटन प्रमुख रूप से नुकसान में रहे। दूसरी तरफ लाभ में रहने वाले शेयरों में लार्सन एंड टुब्रो, इन्फोसिस, एचडीएफसी बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और टाटा स्टील शामिल हैं।

जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, वैश्विक स्तर पर मिले-जुले रुख के बीच बाजार में हल्की गिरावट रही। ईसीबी (यूरोपीयन सेंट्रल बैंक) के नीतिगत दर में कटौती को लेकर सतर्क रुख के साथ वैश्विक स्तर पर रुख मिला-जुला रहा। हाल में अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में तेजी और कच्चे तेल की कीमतों में धीरे-धीरे हो रही वृद्धि बाजार रुख को प्रभावित कर रहा है। नायर ने कहा कि निवेशक मानसून, आगामी बजट के साथ अमेरिका में होने वाले चुनाव पर नजर रखे हुए हैं। इन सबका वैश्विक स्तर पर आर्थिक प्रभाव हो सकता है। मेहता इक्विटीज लि. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) प्रशांत तपसे ने कहा, नई उम्मीद के साथ शुरुआती कारोबार में बाजार नये शिखर पर पहुंचा लेकिन उसे बरकरार नहीं रख पाया और नुकसान में आ गया।

लुफ्थांसा विमान के पहिये में लगी आग, सुरक्षित उतरा हवाई जहाज

नई दिल्ली/भाषा। म्यूनिख से रवाना हुए लुफ्थांसा के ए380 विमान के सोमवार रात को दिल्ली हवाई अड्डे पर उतरते समय एक पहिये में आग लग गयी। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि उड़ान संख्या एलएच762 वाला विमान इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतर गया। सूत्रों के मुताबिक, चूंकि विमान की जांच की जानी थी और कलपुर्जे तुरंत उपलब्ध नहीं होने के कारण म्यूनिख की वापसी वाली उड़ान रद्द कर दी गयी। सूत्रों ने बताया कि विमान में करीब 490 यात्री सवार थे। विमान हवाई अड्डे पर नियंत्रित तरीके से उतरने में सफल रहा। विमानन कंपनी के एक प्रवक्ता ने मंगलवार को बयान जारी कर कहा, उड़ान संख्या एलएच762 दिल्ली में सुरक्षित उतर गयी।

RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

साधुओं और गृहस्थ श्रावकों के संबंध भक्तिमय, विवेकपूर्ण और सद्भावना से ओतप्रोत होने चाहिये। उनमें स्वार्थ की गंदगी नहीं चाहिये। किसी दो-चार गलत साधुओं को लेकर समग्र साधु समाज को बदनाम नहीं करना चाहिये। ऐसी सोच उज्वल धर्म परंपरा और भारतीय संस्कृति के लिए यह अत्यंत घातक है। साधु-संतों की बदौलत हमारी संस्कृति, परंपराएं और संस्कार टिके हैं। सभी साधु-संत भ्रष्ट या बुरे नहीं है।

सिल्क स्मैशर्स टीम बनी 'जेएससीए बैडमिंटन लीग नाकोड़ा कप' विजेता

समाज के प्रतिभाओं को मंच देने के उद्देश्य से आयोजित हुई प्रतियोगिता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जरी सिल्क क्रिकेट एसोसिएशन (जेएससीए) ने कर्नाटक बैडमिंटन एसोसिएशन में जेएससीए बैडमिंटन लीग सीजन 3 नाकोड़ा कप का आयोजन किया गया। इस टूर्नामेंट में दस टीमों ने भाग लिया। नाकोड़ा ग्रुप टाइटल प्रायोजक तथा श्रद्धा फैशन्स जर्सी प्रायोजक रहे। बैडमिंटन फाइनल मैच में राधे कृष्णा सिल्क्स के स्वामित्व वाले सिल्क स्मैशर्स टीम ने कृष्णा सिल्क्स के स्वामित्व वाले सिल्क पल्टन्स टीम को हराकर तीन वर्षों में दूसरी बार चैंपियनशिप का खिताब जीता।

इस मौके पर मुख्य अतिथि के रुप में प्रतिष्ठित भारतीय अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन खिलाड़ी व ध्यानचंद पुरस्कार विजेता तृप्ति मुरगुंडे उपस्थित थीं। मुख्य अतिथि ने खिलाड़ियों को अपने शब्दों से प्रोत्साहित किया तथा प्रेरित किया। समाज भी उभरी बैडमिंटन प्रतिभाओं को चमकने का मंच प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित इस प्रतियोगिता में प्रायोजकों, आयोजकों और खिलाड़ियों के सहयोगात्मक सहयोग मिला। जेएससीए बैडमिंटन कमेटी के मुख्य मेटोंर अशोक करबावाला, अध्यक्ष राजेश पटेल, मंत्री राहुल बाफना,कमेटी सदस्य पारस नाकोड़ा, सुनील मयुरिका, संदीप खांटेड़ आदि सदस्यों ने कार्यक्रम की बांगडोर संभाली।

श्रीराम कथा में गूंजे राम के जयकारे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय राजपूताना सेवा संगठन की ओर से बेंगलूरु अध्यक्ष सुनील सिंह की अध्यक्षता में आयोजित श्रीराम कथा का शुभारंभ हुआ। इस आयोजन में बनारस से आएय कथावाचक शशिकांतजी महाराज और आराधना देवीजी अपने मुखारबिंद से कथा का श्रवण करा रहे हैं। कार्यक्रम की शुरुआत निम्बेकाईपुरा ओम शक्ति मंदिर से कलश यात्रा शुरु हुई तथा अभय अंजन्नैया स्वामी मंदिर कटमनल्लर में सम्पन्न हुई। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिलसिंह सिकरवार और गुरु महाराज ने दीप प्रज्वलित किया। कथावाचक शशिकांतजी महाराज ने उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए भगवान राम की कथा सुनाई। उन्होंने कहा कि यह संसार भगवान राम के बताए मार्ग पर चल रहा है और आज देश में रामराज्य स्थापित हो रहा है ।

युवा स्नातकों को सफल पेशेवरों के रूप में ढालने के लिए कटिबद्ध है एआईएमआईटी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के चामराजपेट स्थित आदर्श ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस की एक इकाई आदर्श इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (एआईएमआईटी) ने इस वर्ष उल्लेखनीय शैक्षणिक और व्यावसायिक उपलब्धि हासिल की है। संस्थान की एमबीए कोर्स की छात्रा सहानाश्री ने बेंगलूरु सिटी यूनिवर्सिटी के तहत वर्ष 2024 के लिए एमबीए प्रोग्राम के लिए प्रथम रैंक हासिल की है, गत दिनों कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने सुश्री सहानाश्री को स्वर्ण पदक प्रदान करते हुए उनकी सफलता को सराहा। किए गए। यह उबलब्धि एआईएमआईटी का अनुशासन व

एआईएमआईटी एमबीए कोर्स की छात्रा सहानाश्री ने प्राप्त किया प्रथम स्थान

उत्कृष्ट शैक्षणिक मानकों को दर्शाती है। वर्ष 2022 में भी -एआईएमआईटी ने बेंगलूरु सिटी यूनिवर्सिटी के पहले दीक्षांत समारोह में प्रथम और 5वां स्थान हासिल किया था जो कि अपने आप में रिकार्ड था। एआईएमआईटी का सक्रिय प्लेसमेंट सेल अग्रणी कंपनियों के साथ सामंजस्य बनाकर मजबूत संबंध बनाता है, जिससे छात्रों के लिए पर्याप्त इंटर्नशिप और नौकरी के अवसर सुनिश्चित होते हैं। आदर्श फिनिशिंग स्कूल छात्रों को नौकरी के लिए तैयार करने के लिए साक्षात्कार की तैयारी, योग्यता और सॉफ्ट स्किल्स विकास के लिए व्यापक प्लेसमेंट प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करता है। एआईएमआईटी के विद्यार्थी नियमित रूप से विभिन्न क्षेत्रों में घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों में शीर्ष-स्तरीय कंपनियों में पद प्राप्त करते हैं। इस शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए प्रवेश शुरू हो गए हैं और -एआईएमआईटी युवा स्नातकों को सफल पेशेवरों के रूप में ढालने और तैयार करने के लिए तत्पर है।

सहयोग

बेंगलूरु के मारुति मेडिकल्स द्वारा संचालित विद्या सुरक्षा योजना के तहत सोमवार को शिवगंगे स्थित मठ में विद्यार्थियों को शिक्षण सामग्री वितरित करते हुए महेंद्र मुणोत व मठ प्रमुख।

हर घर गुरुदेव इक्कतीसा का जाप सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जिनदत्तकुशलसूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल बसवनगुडी के सदस्यों द्वारा अनंत उपकारी युगप्रधान दादा गुरुदेव का इक्कतीसा पाठ का आयोजन आनन्दकुमार दीपककुमार चौपड़ा परिवार के निवास पर आयोजित हुआ। मंडल के अध्यक्ष अरविन्द कोठारी ने सभी का स्वागत किया। मंत्री ललित डाकलिया ने बताया कि इस कार्यक्रम में राजेन्द्र गुलेच्छा, नितेश बोहरा, पारस पारख, महावीर पारख, नमन बोहरा आदि सदस्यों ने भक्ति गीत प्रस्तुत किए। इस अवसर पर चौपड़ा परिवार के साथ मंडल के अनेक सदस्य उपस्थित थे।

तेरापंथी सभा ट्रस्ट हनुमंतनगर के नए अध्यक्ष बने गौतम दक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय तेरापंथी सभा ट्रस्ट एचबीएसटी हनुमंतनगर की साधारण सभा का आयोजन तेरापंथ भवन में हुआ। अध्यक्ष तेजमल सिंघवी के सभी सदस्यों का स्वागत किया। इसके बाद अपने दो वर्षीय अध्यक्षीय कार्यकाल का विवरण दिया। मंत्री हरकचंद ओस्तवाल ने दो साल में ट्रस्ट द्वारा किये गए कार्यो का सम्पूर्ण विवरण प्रस्तुत किया। कोषाध्यक्ष नाथूलाल बोल्या ने गत दो वर्षों का आय-व्यय का ब्यौरा दिया। अध्यक्ष तेजमल सिंघवी ने अपनी कायकरिणी को भंग करके मंच चुनाव अधिकारी के सुपुर्द किया। चुनाव अधिकारी ने वर्ष 2024-25 के अध्यक्ष पद के लिए सर्वसम्मति से गौतम दक के नाम की घोषणा की।1 कार्यकारी अध्यक्ष ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष गौतम दक का सम्मान किया। गौतम दक ने सभी का स्वागत करते हुए दो साल के अपने विज़न को सबके सामने प्रस्तुत किया । संचालन मंत्री हरकचंद ओस्तवाल ने किया।

मणिलाल मेहता गर्ल्स स्कूल में साहित्यिक संघ का उद्घाटन

अनेक साहित्यिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय मणिलाल एम. मेहता गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल के प्रार्थना खंड में लिटरेरी प्रोग्राम का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि कोला सरस्वती स्कूल की प्रधानाचार्य मीना मेहता थीं। कार्यक्रम में विद्यालय की प्रधानाचार्य शशि कला, जेडपीएच. मैट्रिकुलेशन स्कूल की प्राचार्य अंजना शाह तथा सचिव रोहित मेहता उपस्थित रहे थे। प्रधानाचार्य ने सभी का स्वगात करते हुए नाटक के महत्व पर प्रकाश डाला।

इस कार्यक्रम में विभिन्न कक्षाओं की विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया तथा विभिन्न भाषा में जिम्मेदारियों के प्रति सचेत रहना व जागरुक रहने का संदेश देने वाले नाटक की प्रस्तुति दी। नाटक में विद्यार्थियों के अभिनय संवाद की सभी ने सराहना की।

मुख्य अतिथि ने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए उनकी प्रशांसा की। उन्होंने बताया कि ऐसे कार्यक्रमों के द्वारा ही विद्यार्थियों में आत्मविश्वास तथा रचनात्मक गुणों का विकास होता है।

दो दिवसीय निशुल्क रेकी कार्यशाला में शामिल हुए राज्य के स्वास्थ्य मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय वैकुंठधाम फाउंडेशन के तत्वावधान में आदर्श कॉलेज आडिटोरियम में दो दिवसीय निशुल्क रेकी कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें शामिल लगभग 100 प्रतिभागियों को रेकी हीलिंग सेंटर की प्रशिक्षिका अंजना जैन प्रशिक्षण दिया। जैन ने आभा चिकित्सा, जल चिकित्सा, दूरी चिकित्सा, क्रिस्टल चिकित्सा, ध्वनि चिकित्सा और अवचेतन मन की प्रोग्रामिंग का प्रशिक्षण दिया गया।

अंजना जैन ने मानसिक स्वास्थ्य लाभ, मानव, पशु, पौधों की चिकित्सा और दूरस्थ उपचार पर मूल्यवान जानकारी साझा की। जैन ने उपस्थित जनों को धान्य अनाज मिलेट्स के बारे में जानकारी दी। इस कार्यशाला में कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री व विधायक दिनेश गुंडूराव भी शामिल हुए। अंजना जैन, चेतन जैन, निर्मल पोकरणा आदि ने दिनेश गुंडूराव का सम्मान किया।

विकृत बातें प्रसारित करने से नहीं होगा समाज सुधार : आचार्य विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर में मंगलवार को नजरबाद स्थित पार्श्व वाटिका में धर्मसभा का मार्गदर्शन करते हुए आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि साधुओं और गृहस्थ श्रावकों के संबंध भक्तिमय, विवेकपूर्ण और सद्भावना से ओतप्रोत होने चाहिये। उनमें स्वार्थ की गंदगी नहीं चाहिये। किसी दो-चार गलत साधुओं को लेकर समग्र साधु समाज को बदनाम नहीं करना चाहिये। ऐसी सोच उज्वल धर्म परंपरा और भारतीय संस्कृति के लिए यह अत्यंत घातक है। साधु-संतों की बदौलत हमारी संस्कृति, परंपराएं और संस्कार टिके हैं। सभी साधु-संत भ्रष्ट या बुरे नहीं है। दो-चार लोगों की वजह से सबको नजरों से गिराकर अथवा अच्छे साधुओं का मनोबल गिराकर कोई फायदा नहीं होगा, भारी नुकसान होगा। ऐसा करने से धर्म विरोधी और राष्ट्र विरोधी शक्तियों को बल मिलेगा। जैनाचार्य ने आगे कहा कि सोशल मीडिया साधुओं को बदनाम करने या गलत व गंदी बातों को प्रसारित करने का माध्यम नहीं बनना चाहिये, इससे समाज की दुर्गति होगी। बाकी ऐसी बातों से समाज के किसी भी वर्ग का भला नहीं होगा। अगर कोई साधु-संत गलत हैं तो सोशल मीडिया में उनकी बातें प्रसारित करने से वे सुधर नहीं जाएंगे। प्रबुध्दजनों को उन्हें सुधारने के सही रास्ते ढूंढने चाहिये। सोशल मीडिया में गंदी बातें प्रसारित करके तो हम हमारी आने वाली नई पीढ़ियों को गलत शिक्षाएं दे रहे हैं। विकृत बातों को देख-सुनकर वे धर्म से बहुत दूर चली जायेगी। अभिभावकों और समझदार लोगों को चाहिये कि वे समाज को गर्त में ले जाने का नहीं, ऊंचा उठाने का प्रयत्न करें।

आचार्य विमलसागरसूरीश्वर ने कहा कि हर काल में अच्छाईयां और बुराईयां, दोनों रही हैं। आज अच्छाईयों से ज्यादा बुराईयों का प्रचार हो रहा है। हर बात की निंदा-आलोचना हो रही है। छोटी-छोटी बातों को लेकर किसी भी व्यक्ति पर अंगुली उठाई जा रही है। सब एक-दूसरे को किसी न किसी बहाने गिराने या परास्त करने में लगे हैं। शत्रुओं को इसका असली मजा आ रहा है। अगर ऐसा ही चला तो आगे समाज, धर्म और मानवता के लिये काम करने वाले लोग बहुत मुश्किल से मिलेंगे। गंदी बातों को प्रसारित करने वाले लोगों को एक बार ईमानदारी से आत्मचिंतन करने की आवश्यकता है। मेरा यह वक्तव्य गलत लोगों को बचाने के लिये नहीं, गलतियों को रोकने और साधु समाज की व्यापक बदनामी को रोकने के लिये है। हमें यथार्थ के धरातल पर सुधरने और गलत लोगों को सुधारने के सही प्रयत्न करने की आवश्यक है। धर्मसभा में अनेक संघों, संगठनों, मंडलों के पदाधिकारी और प्रबुद्धजन उपस्थित थे।

ऑस्ट्रिया में मैरी की मूर्ति खंडित की गई

वेटिकन सिटी/एजेन्सी। ऑस्ट्रिया के लिंज शहर के गिरिजाघर में स्थापित मैरी की मूर्ति को कुछ उपद्रवियों ने कथित तौर पर खंडित कर दिया है। कैथोलिक ईसाई समुदाय के कुछ लोगों ने इस कृत्य की निंदा की और इसे 'ईशनिंदा' करार दिया है। लिंज डायोसिस ने एक बयान में कहा कि गिरजाघर में स्थापित इस मूर्ति में मैरी द्वारा यीशु को जन्म देने संबंधी घटना चित्रित की गई थी। बयान के अनुसार यह घटना सोमवार को हुई और इसकी जानकारी पुलिस को दे दी गई है। इसके अनुसार इस कृत्य में शामिल लोगों की पहचान अभी तक नहीं की जा सकी है।

एक दिवसीय यात्रा — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जेसीआई बेंगलूरु गार्डन सिटी और जेसीआई बेंगलूरु कॉस्मो ने मिलकर शिव्वमोग्गा हुंचा पार्श्व पद्मावती मंदिर की एक दिवसीय यात्रा का आयोजन किया। इस यात्रा में कुल 96 सदस्य अपने परिवार के साथ शामिल हुए। इस आयोजन में प्रोजेक्ट कार्यकारी रूपा कानूंगा, मेघा जैन, जागृति दवे, दीपिका जैन और हिना जैन के नेतृत्य में सचिव नरेश गादिया, कोषाध्यक्ष रोहित सुराणा, जयेश जैन, अध्यक्ष चेतन पोरवाल और भरत रूनवाल ने व्यवस्था संभाली।

अग्रवाल विद्यालय में विद्यार्थी परिषद के पदाधिकारियों को दिलाई गई शपथ

चेन्नई। स्थानीय अग्रवाल व जूनियर कॉलेज में सोमवार को प्राथमिक एवं सीनियर कक्षाओं के विद्यार्थियों को विभिन्न पदों के लिए शपथ दिलवाई। मुख्य अतिथि के रुप में चेन्नई की पुलिस इंस्पेक्टर डी. देवी उपस्थित थीं। विद्यालय की प्रधानाचार्या विजयलक्ष्मी से स्वागत भाषण दिया तथा प्राचार्य व उपप्राचार्य रघुदेव ने मुख्य अतिथि का सम्मान किया। इस अवसर पर विद्यालय के गत वर्ष के छात्र नेता मयंक जैन ने सुपर सीनियर स्तर पर जिनांग शाह एवं प्रनिधि जैन को छात्र एवं छात्रा नेता पद की शपथ दिलाई। प्राथमिक कक्षा स्तर में लक्ष जैन तथा हुनर अग्रवाल को छात्र एवं-छात्रा नेता पद की शपथ दिलाई। इसके अतिरिक्त खेल सचिव हिरेश तथा सिद्धि, साहित्य सचिव हीतल एवं दीक्षा बाफना, सांस्कृतिक सचिव दिशिका तथा द्रिती और हेड मार्शल पद के लिए मो. जयेद तथा हियान को शपथ दिलाई गई ।

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com